RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 219 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 09-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी को पहले प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए : ममता

6 नीतीश कुमार को समझ पाना आसान नहीं

7 'छाप तिलक' दिल के करीब, खास है इसकी एनर्जी : मेधा शंकर

फर्स्ट टेक

ईरान संघर्ष : भारतीय विमानन कंपनियों ने 279 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कीं

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने रविवार को 279 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। इस क्षेत्र में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण हवाई क्षेत्र बंद होने और प्रतिबंधों की वजह से उड़ान संचालन काफी हद तक बाधित हो गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि खाड़ी में मौजूदा स्थिति के कारण कई क्षेत्रों में उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है। मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय घरेलू विमानन कंपनियों द्वारा पश्चिम एशिया से भारत के लिए आज कुल 49 उड़ानें निर्धारित थीं। आठ मार्च को भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित होने वाली 279 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को मुंबई हवाई अड्डे पर कुल 66 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिनमें 34 प्रस्थान और 32 आगमन उड़ानें थीं।

सीमा पर जारी अभियान में 583 अफगान तालिबान आतंकवादी मारे गए : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने पिछले महीने सीमा पर शुरू किए गए सैन्य अभियान में 583 अफगान तालिबान आतंकवादियों को मार गिराया है। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी प्राप्त हुई। अफगान तालिबान द्वारा सीमावर्ती इलाकों में 53 स्थानों पर हमले के बाद पाकिस्तान ने 26 फरवरी को ऑपरेशन गजब-लिल-हक शुरू किया। सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर अपडेट देते हुए कहा कि तालिबान को हुए नुकसान में 583 लोग मारे गए और 795 घायल हुए हैं।

झांसी में ट्रक से पांच सौ से ज्यादा गैस सिलेंडर चोरी

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी जिले के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में भारत पेट्रोलियम से संबद्ध एक ट्रक से 500 से अधिक एलपीजी गैस सिलेंडर चोरी का मामला सामने आया है । पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना सीपरी बाजार के प्रभारी जयप्रकाश चौबे ने बताया कि रायगंज निवासी नीरज अग्रवाल का एक ट्रक करारी स्थित भारत पेट्रोलियम संयंत्र से संबद्ध है। उन्होंने बताया कि होली के पहले उनके चालक राजकुमार ने 524 गैस सिलेंडर लादकर ट्रक करारी डिपो के बाहर खड़ा कर दिया और होली अवकाश पर चले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि होली के बाद चालक जब ट्रक लेने डिपो पहुंचे तो वहां ट्रक नहीं था।

09-03-2026 सूर्यास्त 6:29 बजे | 10-03-2026 सूर्योदय 6:30 बजे

BSE	NSE
78,918.90	24,450.45
(-1,097.00)	(-315.45)

सोना	चांदी
16,849रु.	280,600 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

अब विकास की गति तेज हुई : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो नए मेट्रो कॉरिडोर समेत 33,500 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिल्ली न केवल भारत की राजधानी है, बल्कि यह भारत की पहचान और उसकी ऊर्जा का प्रतीक भी है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में एक साल पहले भाजपा सरकार के गठन के बाद से दिल्ली में चौतरफा विकास की गति तेज हुई है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के शासनकाल में बहानेबाजी के कारण काम रुका रहा और परियोजनाएं ''फाइलों में ही दम तोड़ती रहीं''।

दो नए मेट्रो कॉरिडोर समेत 33,500 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शुरुआत करने के बाद बुराड़ी मैदान में एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि दिल्ली न केवल देश की राजधानी है, बल्कि भारत की पहचान और उसकी ऊर्जा का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब दिल्ली की अक्षम परिवहन व्यवस्था के लिए अक्सर आलोचना की जाती थी। उन्होंने कहा, ''शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आने-जाने में घंटों लग जाते थे और महिलाओं को अक्सर बस या ऑटो-रिक्शा पकड़ने की उम्मीद में लंबे समय तक बस स्टॉप पर इंतजार करना पड़ता था। हालांकि, दिल्ली में स्थिति तेजी से बदल रही है।''

मोदी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले, शहर को 'नमो भारत' ट्रेन के माध्यम से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जोड़ा गया था, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच यात्रा काफी आसान हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेट्रो के चौथे चरण की शुरुआत के साथ, दिल्ली मेट्रो नेटवर्क का विस्तार अब 375 किलोमीटर से अधिक हो गया है, जिससे निवासियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा में और सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, ''जब भी दुनिया में, कोई भारत के बारे में सोचता है, तो अक्सर दिल्ली की छवि दिमाग में आती है... दिल्ली न केवल भारत की राजधानी है, बल्कि यह भारत की पहचान और उसकी ऊर्जा का प्रतीक भी है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की छवि से जुड़ा हुआ है।

मोदी ने कहा, ''एक साल पहले जिस नई उम्मीद और दृढ़ संकल्प के साथ आपने दिल्ली में भाजपा सरकार का गठन किया था, उसका परिणाम आज यहां दिखाई दे रहा है। मैं दिल्ली के सभी नागरिकों को विकास की इस निरंतर धारा के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।''

प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्व सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ''आपदा सरकार'' ने दिल्ली में 10 वर्षों तक सभी विकास कार्यों को रोक दिया था। उन्होंने कहा, ''उनका तरीका था कम काम करना और ज्यादा बहाने बनाना।

भारत ने तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

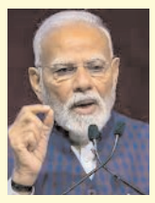

"चैंपियंस! आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीतने पर भारतीय टीम को हार्दिक बधाई। यह शानदार जीत उनके असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और टीमवर्क को दर्शाती है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने बेहतरीन जज्बा दिखाया। इस जीत ने हर भारतीय के दिल को गर्व और खुशी से भर दिया है। शाबास, टीम इंडिया।

अहमदाबाद/भाषा। सूर्यकुमार यादव की टीम ने भारतीय क्रिकेट का एक और स्वर्णिम अध्याय लिखते हुए रविवार को न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर भारत को तीसरी बार टी20 विश्व कप दिलाया जिसमें संजू सैमसन की भूमिका अहम रही तो जसप्रीत बुमराह के योगदान को भी याद रखा जायेगा ।

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम बनी ।

इसके साथ ही तीन साल पहले इसी मैदान पर आस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप फाइनल हारने वाली रोहित शर्मा की टीम के पुराने जख्मों पर भी मरहम लग गया होगा ।

संजू सैमसन ने 46 गेंद में 89 और अभिषेक शर्मा ने 21 गेंद में 52 रन बनाकर भारत को पावरप्ले में ही 98 रन तक पहुंचाते हुए जीत की नींव रख दी थी । भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर पांच विकेट पर 255 रन बनाये ।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनेर को कोल मैकोंची की जगह जैकब डफी को अंतिम एकादश में उतारने का खामियाजा भुगतना पड़ा । करीब 86000 दर्शकों के सामने न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर आउट हो गई ।

मुंबई के चैंबूर में रहने वाले सूर्यकुमार ने अपना नाम महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद टी20 विश्व कप जीतने वाले कप्तानों में शामिल कर लिया । वहीं लगातार दो टी20 विश्व कप जिताने वाले कोच गौतम गंभीर के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता ।

महिलाएं सशक्त हैं, दूसरों से कमतर नहीं होतीं : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं की ताकत और उपलब्धियों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने के लिए प्रोत्साहित कियास। मुर्मू ने कहा, ''हम किसी से कमतर नहीं हैं।''

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय श्रेरा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह अवसर न केवल महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करने का है, बल्कि उनके सशक्तीकरण के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को भी दोहराने का है।

मुर्मू ने शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सशस्त्र बलों, चिकित्सा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, उद्यमिता और खेल में महिलाओं की अग्रणी भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और ग्राम विकास में नेतृत्व प्रदान कर रही हैं, वहीं महिलाएं रोजगार, स्टार्टअप और कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, ''अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।''

मुर्मू ने कहा, ''महिलाओ में दम है, हम किसी से कम नहीं। हममें भी दम है।''

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि कई उपलब्धियां हासिल की गई हैं, फिर भी समाज में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने में कई बाधाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''इन चुनौतियों का समाधान केवल कानून से नहीं हो सकता। हमें अपनी सोच बदलनी होगी।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि माता-पिता को घर में बेटियों और बेटों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए।

कर्नाटक के एक आवासीय स्कूल में छात्र ने सहपाठियों पर हमला किया, एक की मौत

बल्लारी (कर्नाटक)/भाषा। बल्लारी के एक निजी आवासीय विद्यालय में नौंवी कक्षा के एक छात्र ने कथित तौर पर हमला करके एक व्यक्ति की हत्या कर दी और अन्य को एक नुकीली वस्तु व लोहे की छड़ से घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार रात स्कूल के छात्रावास में घटी। मृतक लड़का आंध्र प्रदेश का निवासी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए 'विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' (वीआईएमएस), बल्लारी ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार, घटना के पीछे के मकसद और उसमें इस्तेमाल किए गए हथियार का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपी छात्र घटनास्थल से तुरंत फरार हो गया और उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। इस घटना में एक छात्रा समेत सात अन्य छात्र और छात्रावास के वार्डन घायल हो गए। बल्लारी की पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुमन डी पेन्नेकर ने पत्रकारों को बताया कि घायलों को मामूली से लेकर गंभीर चोटें आई हैं।

मेला

रविवार को कलबुर्गी में आयोजित श्री शरणबसवेश्वर जात्रा का दृश्य, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और लोग मेले में शामिल हुए।

मैं ऐसे परिवार में पला-बढ़ा हूं, जहां महिलाएं ही प्रमुख रहीं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जब महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानती हैं और खुले दिमाग से आगे बढ़ती हैं, तो वे असाधारण बदलाव ला सकती हैं।

हर महिला अद्वितीय है। उनकी संवेदनशीलता, समझ और भावनात्मक बुद्धिमत्ता समाज को संतुलन व दिशा प्रदान करती है।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल में केरल में छात्राओं से बातचीत के दौरान कहा कि वह एक ऐसे परिवार में पले-बढ़े हैं जहां महिलाएं ही प्रमुख हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि महिलाएं आम तौर पर पुरुषों से अधिक बुद्धिमान होती हैं।

राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने यूट्यूब चैनल पर छात्राओं के साथ हुई बातचीत का एक वीडियो रविवार को पोस्ट किया और बताया कि कुछ दिन पहले केरल में दोपहर के भोजन के दौरान उनकी कुछ छात्राओं से मुलाकात हुई और उनसे बहुत ही रोचक बातचीत हुई।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''मैं प्रत्येक छात्रा के सपनों, जिज्ञासा और आत्मविश्वास से बहुत प्रभावित हुआ। ऐसी बातचीत हमें याद दिलाती है कि जब महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानती हैं और खुले दिमाग से आगे बढ़ती हैं, तो वे असाधारण बदलाव ला सकती हैं।''

राहुल ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, ''हर महिला अद्वितीय है। उनकी संवेदनशीलता, समझ और भावनात्मक बुद्धिमत्ता समाज को संतुलन व दिशा प्रदान करती है। महिलाएं धैर्य, दूरदर्शिता और सहानुभूति के साथ अपने अनूठे तरीकों से शक्ति का प्रयोग करती हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, उन्हें समाज के प्रतिबंधात्मक मानदंडों से बंधे रहने के बजाय अपनी पहचान, व्यक्तित्व और आकांक्षाओं के अनुसार आगे बढ़ने का पूरा अधिकार होना चाहिए।''

राहुल ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी शक्ति, साहस और सपने समाज को एक सकारात्मक भविष्य की ओर आगे बढ़ाते रहें।'' उन्होंने कहा कि केरल की कुछ छात्राओं से बातचीत बेहद प्रेरणादायक रही।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''उनका (छात्राओं का) आत्मविश्वास और अपने सपनों पर विश्वास यह दर्शाता है कि महिलाएं ही बदलाव की असली ताकत हैं।''

राहुल वीडियो में छात्राओं के साथ बेबाक बातचीत करते नजर आ रहे हैं। राहुल ने छात्राओं से कहा, ''मैं ऐसे परिवार में पला-बढ़ा हूं जहां महिलाएं ही घर की प्रमुख थीं। मेरे परिवार की मुखिया मेरी दादी थीं और मेरे परिवार में, जैसे इस मेज की तरह हमेशा महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही है।'' उन्होंने कहा, ''महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा बुद्धिमान होती हैं। पुरुष जल्दबाजी में रहते हैं और छोटी-छोटी बातों में उलझ जाते हैं। □

बादशाह ने 'टटीरी' गीत को सभी मंचों से हटाया

नई दिल्ली/भाषा। बादशाह के नए गीत 'टटीरी' में महिलाओं और नाबालिगों के बारे में आपत्तिजनक बोल होने के आरोप लगाए जाने के बाद गायक-गीतकार ने माफी मांगते हुए कहा कि इस गाने को सभी मंच से हटा लिया गया है। 'अभी तो पार्टी शरू हुई है' और 'गेंदा फूल' जैसे गानों के लिए प्रसिद्ध 40 वर्षीय बादशाह ने शनिवार को 'इंस्टाग्राम' पर एक वीडियो साझा किया। उन्होंने वीडियो में कहा, मेरा नया गीत रिलीज हुआ है और मैं देख रहा हूं कि इसके बोल और दृश्य प्रस्तुति ने खासकर हरियाणा के कई लोगों को दुख पहुंचाया है। सबसे पहले, मैं कहना चाहता हूं कि मैं हरियाणा से हूं। जो लोग मुझे जानते हैं, वे यह बता सकते हैं कि मेरी पूरी पहचान इसी पर आधारित है। मुझे हरियाणवी होने पर गर्व है। बादशाह ने कहा कि उन्होंने हमेशा हरियाणा की संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश की है और कभी भी किसी को आहत करना उनका मकसद नहीं रहा।

पुतिन ने यूक्रेन संकट के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संकट को भड़काने के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया है और कहा कि यह संघर्ष कीव में सत्ता परिवर्तन के लिए उन राष्ट्रों के समर्थन से उत्पन्न हुआ है।

पुतिन ने यह टिप्पणी सरकारी टेलीविजन कार्यक्रम ''मॉस्को, क्रेमलिन, पुतिन'' को दिये एक साक्षात्कार में की, जिसके कुछ अंश रविवार को रूसिया 24 चैनल पर प्रसारित किये गए। उन्होंने कहा, ''यूक्रेन संकट की शुरुआत कहां से हुई? यह यूक्रेन में तख्तापलट के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन से, फिर क्रीमिया की घटनाओं से, और फिर दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन - डोनबास और नोवोरोसिया में हुई घटनाओं से उत्पन्न हुआ। वहीं से सब कुछ शुरू हुआ।''

पुतिन ने कहा, ''इसमें हमारी भूमिका नहीं है बल्कि यह पश्चिमी देशों, जिनमें यूरोपीय देश भी शामिल हैं, की करतूत है। अब वे अपने कर्मों का फल भोग रहे हैं।''

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली शांति वार्ता का अगला दौर अनिश्चित बना हुआ है।

पुतिन ने यूक्रेनी नेतृत्व पर यूरोपीय देशों को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि यह एक ऐसी स्थिति होती है, ''जिसमें एक बड़े समूह को एक छोटे समूह को संतुष्ट करने के लिए कुछ करना पड़ता है।''

पुतिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा रूसी सेनाओं का मुकाबला करने के लिए पश्चिमी सहयोगियों से अधिक हथियारों की मांग और हंगरी सहित पड़ोसी यूरोपीय देशों को ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित करने संबंधी कीव के प्रयासों का जिक्र कर रहे थे।

इस बीच, पुतिन ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रूसी महिलाओं को बधाई दी।

कार रैली निकालकर 'कैंसर एवं थैलेसीमिया रोग' के रोकथाम के प्रति फैलाई जागरुकता

'जीतो' साउथ लेडीज़ विंग ने आयोजित की 'आईआईएफएल कार रैली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग द्वारा रविवार को टाउन हॉल से आईआईएफएल ड्राइव विद परपज, कार रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना था।

रैली में लगभग 60 कारों और 50 दोपहिया वाहनों ने भाग लिया, वहीं कई लोग वॉक-इन प्रतिभागियों के रूप में भी इस अभियान से जुड़े। प्रतिभागियों को संबंधित बीमारियों के जागरूकता एवं रोकथाम से जुड़े संदेशों वाले प्लेकार्ड वितरित किए गए। कारों पर आकर्षक सनबोर्ड और बैनर लगाए गए, जिनके माध्यम से टाउन हॉल से लेकर शंकरा कैंसर एंड रिसर्च सेंटर तक पूरे मार्ग में लोगों को स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया गया।

जेएटीएफ केकेजी ज़ोन के मुख्य सचिव महेश नाहर, अपेक्स के पूर्व निदेशक विनोद जैन, वाइस चेयरमैन राजकुमार कोठारी, कोषाध्यक्ष नेमीचन्द चोपड़ा सहित अन्य पदाधिकारियों ने रैली को चेकर्ड फ्लैग दिखाकर रवाना किया।रैली का समापन शंकरा कैंसर एंड रिसर्च सेंटर में हुआ, जहां कैंसर विशेषज्ञ व डॉक्टरों द्वारा कैंसर और थैलेसीमिया के कारण, रोकथाम, प्रारंभिक जांच और उपचार पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए।

जीतो अपेक्स के मंत्री श्रीपाल बच्छावत ने अभियान की सराहना की। जीतो अपेक्स के निदेशक नरेंद्र सामर ने कहा कि इस प्रकार की पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनती हैं। केकेजी ज़ोन संयोजिका पिंकी जैन और पूर्व चेयरपर्सन निशा सामर ने कहा कि महिलाएं जब समाज के लिए आगे आती हैं तो परिवर्तन की एक नई दिशा बनती है।

टीपीएफ सेंट्रल ने 'लेबर लॉ रिफॉर्म्स' विषय पर वेबिनार आयोजित किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम(टीपीएफ)सेंट्रल द्वारा 'लेबर लॉ रिफॉर्म्स- व्हाट एवरी बिज़नेस मस्ट नो, नेविगेटिंग इंडिया'ज़ न्यू लेबर कोड्स' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया जिसमें विभिन्न शहरों से50 से अधिक प्रोफेशनल्स, उद्यमियों और सदस्यों ने भाग लिया। इस सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित कर्नाटक उच्च न्यायालय में प्रेक्टिसिंग एडवोकेट विवेक सेठिया ने श्रम कानून, औद्योगिक विवादों और नियामक अनुपालन के आधार पर श्रम कानून सुधारों के व्यावहारिक पहलुओं और उनके व्यवसायों व संगठनों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कानून सुधारों के उद्देश्यों, वेतन की परिभाषा में हुए बदलाव, नियोक्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव, अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं तथा व्यवसायों द्वारा अनुपालन न करने की स्थिति में संभावित प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। टीपीएफ सेंट्रल की सचिव वर्षा जैन ने सभी का स्वागत किया। संयोजक अलकेश मेहता ने वेबिनार का संचालन किया। वेबिनार में इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने मार्गदर्शन प्राप्त किया। सेंट्रल जोन के संयुक्त सचिव सूरज जैन ने धन्यवाद दिया।

माहेश्वरी महिला मंडल ने वेबिनार के माध्यम से मनाया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा रविवार को विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षक व वक्ता पूजा माहेश्वरी के मार्गदर्शन में 'फेस योग कार्यशाला' का ऑनलाइन आयोजन किया जिसमें 85 महिलाएं जुड़ी। सचिव शोभा भूतड़ा ने सभी महिलाओं का स्वागत किया। अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा ने सभी का कविता के माध्यम से स्वागत किया तथा शुभकामनाएं दी। बिमल चांडक ने मुख्य वक्ता पूजा माहेश्वरी का परिचय दिया। मुख्य वक्ता पूजा ने फेस योग से चेहरे पर निखार लाने का डेमो दिया तथा अभ्यास कराया। उन्होंने खानपान, रोजाना वॉकिंग व पौष्टिक आहार को स्वस्थ व सुन्दर फेस के लिए जरूरी बताया।

उन्होंने महिलाओं को तनाव से बचने की सलाह दी। अनेक महिलाओं ने प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। शीतल बजाज ने सभी को धन्यवाद दिया।

'सन्त समागम' शैतान को भी इंसान बना देता है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में पंडितरत्न ज्ञान मुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी एवं डॉ आदर्श ज्योति जी का आध्यात्मिक मिलन हुआ। इस मौके पर ज्ञानमुनिजी ने रविवार को प्रातः अपने प्रवचन में कहा कि संत का समागम सदा हितकारी है। सन्त समागम इंसान को बहुत भाग्य से मिलता है। सत्संग से शैतान भी इंसान बन जाता है और इंसान से आगे भगवान भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की संगत हमारे जीवन में नयी ताजगी, उल्लास उमंग के साथ एक नयी रंगत लेकर आती है। महापुरुषों ने संत समागम को बहुत महान, दुर्लभ बताया है।

संत समागम से दुष्टता का नाश होता है और मन में सज्जनता के गुण का संचार होता है। आचार्यश्री आनन्दऋषिजी की शिष्या डॉ आदर्श ज्योतिजी ने कहा कि धर्म उत्कृष्ट मंगल है। आज मानव मन ज्यादा अशांत है, क्योंकि हमने अपने जीवन में धर्म से ज्यादा विज्ञान को प्रमुखता दे रखी है। याद रखें आज के विज्ञान से मानव जाति को बाहरी क्षणिक सुख, खुशियां मिल सकती है। लेकिन जीवन का सच्चा सुख बाहर नहीं हमारे अन्तर में निहित है। उसे कहीं बाहर ढूंढने की जरूरत नहीं है, जरूरत है गुरु की शरण में आने की और गुरु भगवंत से उस जीवन के सच्चे सुख को प्राप्त करने का राज जानने की। आत्मा अनंत शक्तिमान है। उपप्रवर्तिनीश्री सत्यप्रभाजी की शिष्या साध्वी तरुण शीलाजी ने सत्संग की व्याख्या की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने बताया कि श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में ज्ञानमुनिजी व सत्य प्रभाजी के सान्निध्य में वर्षीतप प्रारंभ करने वाले वर्षीतप आराधकों के सामूहिक पच्चक्खाण व वर्षी तप प्रारंभ कार्यक्रम आराधना केन्द्र में रखा गया है।

महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महिला दिवस : बेंगलूरु के न्यू ड्रीम स्पोर्ट्स क्लब द्वारा अंतरराष्ट्रीय विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में रामसांद्रा स्थित इनोवेटिव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न आयु की 15 से भी ज्यादा महिला टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने महिला खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी तथा विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

नारी के समर्पण और सेवा भावना से पुरुष भी प्रेरणा ले सकते हैं : मुनि पुलकित कुमार

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने मनाया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान के तहत गांधीनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा तेरापंथ भवन में महिला दिवस व एनजीओ मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने कहा कि जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने नारी का सम्मान रखना सिखाया है। नारी जीवन शिल्पी होता है, नारी के समर्पण और सेवा भावना से पुरुष भी प्रेरणा ले सकते हैं। नारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को निखारने का प्रयास जैन आचार्यों ने समय-समय पर किया है। मुनिश्री ने सेमिनार में उपस्थित महिलाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि आज महिला दिवस के उपलक्ष्य में संकल्प ले कि शारीरिक सौंदर्य की बजाय आंतरिक सुंदरता को बढ़ाने का प्रयास करेंगे। महिलाएं अतीत से प्रेरणा लेकर वर्तमान को निखारने का प्रयास करें। अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि महिला केवल एक व्यक्ति नहीं, परिवार की आधारशिला होती है।ङ्कङ्ककार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सा-मुद्रा फाउंडेशन की संस्थापिका व सीईओ भारती सिंह ने ज़िंदगी जीने के सही मायने बताते हुए कहा कि विरासत में मिले संस्कारों को अगली पीढ़ी तक सही तरीके से पोषित करना हमारी सर्वप्रथम ड्यूटी होनी चाहिए। साथ ही नारी सशक्तिकरण के लिए प्रॉपर्टी आदि वित्तीय जानकारी प्रदान करते हुए पारिवारिक तथा सामाजिक स्तर के कुछ पहलुओं को छुआ । ङ्कङ्ककार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित विप्र नेत्री अंजना शर्मा ने कहा कि आज का कार्यक्रम केवल आयोजन नहीं नारी के स्वाभिमान का उत्सव है। जब समाज की महिलाएं जागती हैं तब समाज जागता है तथा जहाँ नारी का सम्मान होता है वहीं देवताओं का वास होता है। ङ्कङ्कद्वितीय सत्र में आयोजित एनजीओ मीट में मुख्य अतिथि भारती सिंह, अतिथि अंजना शर्मा, जीतो नार्थ की चेयरपर्सन बबीतारायसोनी, अनुषा लक्काना, मधुकटारिया, सारिका गिड़िया तथा चरीथा कुदोगे ने पैनल चर्चा में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष लता गादिया ने किया तथा कांता लोढ़ा ने धन्यवाद दिया। ङ्कङ्कइस मौके पर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका, ट्रस्ट के उपाध्यक्ष विमल पितलिया, अणुव्रत समिति के पूर्वाध्यक्ष माणिकचन्द बलदोटा सहित अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में 36 एनजीओ को उनकी समाजसेवा के लिए प्रमाणपत्र एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। पाँच दीक्षार्थी परिवार वसंता दुगड़, कंचनबाई भंसाली, दीपमाला पीपाड़ा, संगीता कोठारी व रेशमा जैन को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया।

महिला वकीलों को न्यायाधीश नियुक्त करने पर विचार करे उच्च न्यायालय कॉलेजियम : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को न्यायपालिका में अधिक संस्थागत सुधारों की वकालत की, ताकि अधिक महिलाएं विधि क्षेत्र में आ सकें। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालयों के कॉलेजियम को न्यायाधीश पद के लिए बार की मेधावी महिला सदस्यों पर एक नियम के रूप में विचार करना चाहिए, न कि अपवाद के रूप में।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि बार के सदस्यों को एक साधारण सी वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिए: महिला सदस्य रियायतें नहीं मांग रही हैं। उन्होंने 'इंडियन वीमन इन लॉ' के पहले सम्मेलन में हाफ द नेशन-हाफ द बेंच, ब्रिज द गैप-बैलेंस द बेंच विषय पर कहा, वे निष्पक्ष और उचित प्रतिनिधित्व की मांग कर रही हैं, जो लंबे समय से लंबित है। जब स्वयं यह पेशा इस सत्य को आत्मसात कर लेगा, तभी न्यायपालिका तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट होगा। इस पर वहां मौजूद महिला वकीलों और न्यायपालिका के सदस्यों ने काफी तालियां बजाईं। प्रधान न्यायाधीश ने उच्च न्यायालयों के कॉलेजियम से अनुरोध किया कि वे अपने विचार क्षेत्र का विस्तार करें और उच्चतम न्यायालय में वकालत कर रही अपने-अपने राज्यों की महिला अधिवक्ताओं को पदोन्नति के लिए शामिल करें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा था कि यदि प्रगति को सार्थक बनाना है, तो उसे संस्थागत रूप देना होगा। उन्होंने कहा कि कहानी यह नहीं होनी चाहिए कि किसी एक व्यक्ति को अधिक प्रतिनिधित्व मिला, बल्कि यह होनी चाहिए कि उच्चतम न्यायालय और देश भर के उच्च न्यायालयों ने समझ-बूझकर निष्पक्षता को अपनी प्रक्रियाओं में समाहित किया। उन्होंने कहा, हम सभी को यह समझना चाहिए कि इस प्रकार का सुधार कोई आकस्मिक घटना नहीं है; यह एक सतत प्रक्रिया है। संस्थागत निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत कार्यकाल और व्यक्तिगत व्यक्तित्व से परे दृढ़ता की आवश्यकता होती है। यह मेरे कार्यकाल में, या मेरे साथी न्यायाधीशों के कार्यकाल में पूरी तरह से साकार नहीं हो सकता है। हालांकि, यह हमारी प्रतिबद्धता की गहराई को निर्धारित नहीं कर सकता और न ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुधार का एक क्षेत्र उच्च न्यायालयों के कॉलेजियम के भीतर निहित है और उन्हें यह समझना होगा कि सोच-समझकर कार्रवाई करने का समय भविष्य में नहीं, बल्कि अभी है।

'इंडियन वीमेन इन लॉ' नामक संगठन से जुड़ी वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता और महालक्ष्मी पावनी ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रमाणित गुणवत्ता मानकों के साथ होम्योपैथी क्षेत्र का नेतृत्व करने के लिए तैयार है भारत : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। भारत में होम्योपैथी का क्षेत्र काफी व्यापक स्तर पर फैला हुआ है और अब हमारा देश वैश्विक स्तर पर दुनिया में इसका नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत में होम्योपैथी का क्षेत्र मजबूत नैदानिक विशेषज्ञता, व्यापक चिकित्सक नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता प्रमाणपत्रों और मानकों श्रेरा संचालित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कारकों के चलते भारत आने वाले समय में वैश्विक होम्योपैथी उद्योग में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है और इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के श्रेर खुल सकते हैं। आयुष विशेषज्ञों का कहना है कि दशकों से, जर्मनी के होम्योपैथी ब्रांडों ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक उत्कृष्ट प्रतिष्ठा कायम रखी है और अक्सर उन्हें गुणवत्ता, निरंतरता और अनुसंधान-समर्थित विनिर्माण क्षेत्र में स्वर्ण मानक के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल उनके बराबर पहुंचने की राह पर है, बल्कि दो शक्तिशाली गुणवत्ता ढांचों - आयुष प्रीमियम मार्क और एनएबीएल मान्यता के चलते उनसे आगे निकलने की राह पर भी है।

जम्मू कश्मीर में पारदर्शी शासन अब हकीकत बना : उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू/भाषा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि जम्मू कश्मीर आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और पिछले पांच से छह वर्षों में ऐसे परिवर्तनकारी बदलाव हुए हैं जिन्होंने शासन प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाया है। जम्मू के सिधरा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय भवन और अवंतीपुरा में एसीबी एपीकेएस शाखा का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि ये दोनों इमारतें केवल स्टील, कांच और कंक्रीट की संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि ये सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त केंद्र शासित प्रदेश की एक सशक्त घोषणा को प्रदर्शित करती हैं। उपराज्यपाल ने कहा, जम्मू कश्मीर आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। पिछले 5 से 6 वर्षों में हमने कई परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं, जिससे व्यवस्था पारदर्शी हुई है और जनसेवा के लिए समर्पित हुई है। अब पूरी व्यवस्था कुछ चुनिंदा लोगों के लाभ के लिए नहीं, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के हित में काम करती है।

राजाजीनगर महिला मंडल ने किया 'गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान' में सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान के तहत एनजीओ मीट एवं प्रेरणा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एफकेसीसीआई की निदेशिका डॉ. मधुरानी गौड़ा उपस्थित थीं। कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु नार्थ, जेसीआई, बीजेएस, नयी दिशा, माहेश्वरी महिला संगठन, टीपीएफ-वेस्ट, अखिल भारतीय अग्रवाल समाज, जीवदया कामधेनु ग्रुप, मदुरा वुमन एंड चाइल्ड वेलफेयर सेंटर, नाकोड़ा पार्श्व बहू मंडल एवं त्रिशला बहु मंडल आदि एनजीओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। राजाजीनगर प्रेरणा सम्मान में शांतिदेवी कोठारी का सम्मान किया गया।ङ्कअध्यक्ष सुनीता कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। मुख्य अतिथि डॉ. मधुरानी ने कहा कि हर नारी को स्वयं अपने हुनर को पहचानना चाहिए और आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। उपाध्यक्ष लता नवलखा ने महिला सशक्तिकरण के विषय पर प्रभावी पैनल डिस्कशन करवाया जिसमें महिला शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण, डिजिटल सशक्तिकरण, सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ना, जेंडर इक्वलिटी जैसे विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया। सभी एनजीओ को उनकी समाजसेवा के लिए प्रमाणपत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका मंजू संचेती एवं उषा कोठारी सहित 80 सदस्याएं उपस्थित थीं। मंत्री अरुणा कोठारी ने संचालन किया।

पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने से सोने में बना रह सकता है उतार-चढ़ाव : विश्लेषक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सोने की कीमतों में अगले सप्ताह भी उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। निवेशकों की पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रमों और घरेलू बाजार की धारणा को प्रभावित करने वाले प्रमुख वृहत आर्थिक आंकड़ों पर नजर होगी। विश्लेषकों ने यह कहा।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, ''पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रमों पर नजर बनी रहेगी। तनाव बढ़ने से सोने की कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, लेकिन तनाव कम होने के संकेत मिलने पर भारी बिकवाली हो सकती है।'' मेर ने कहा, ''चांदी में अभी सीमित दायरे में घट-बढ़ हो रही है। लेकिन इसमें भारी अस्थिरता देखी जा रही है। इसका कारण सोने और तांबा तथा जस्ता जैसी औद्योगिक धातुओं में सीमित दायरे में घट-बढ़ के कारण इसके लाभ सीमित हैं।'' पिछले सप्ताह घरेलू बाजार में सर्राफा वायदा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी 14,359 रुपए यानी 5.08 प्रतिशत टूटी, जबकि सोना 470 रुपए यानी 0.3 प्रतिशत फिसला। एंजल वन के गैर-कृषि जिंस और मुद्रा विभाग के शोध मामलों के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट प्रथमेश एम ने कहा, ''पिछले सप्ताह सोने की कीमत 1.59 लाख से 1.70 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में रही। वैश्विक स्तर पर तनाव, एशियाई मांग, केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीद, अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड का उच्च प्रतिफल और डॉलर की मजबूती सर्राफा बाजार में कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक बने हुए हैं।

दिल्ली पुलिस ने नकली 'प्रोटीन सप्लीमेंट' गिरोह का भंडाफोड़ किया, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी और एनसीआर में नकली 'प्रोटीन सप्लीमेंट' बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने छह मार्च को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ब्रह्मपुरी निवासी मोहित तिवारी और मोहित दीक्षित को ब्रह्मपुरी इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, उनके खिलाफ अपराध शाखा थाने में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे नकली 'प्रोटीन सप्लीमेंट' बनाने में शामिल थे। उन्होंने इलाके में संचालित अवैध फैक्टरियों के बारे में भी पुलिस को जानकारी दी।

मध्यप्रदेश के पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों में सुबह 'दक्षिणामूर्ति स्तोत्र' बजाने के निर्देश

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों में प्रशिक्षुओं के लिए पहले भगवद्गीता और रामचरितमानस के पाठ के निर्देश देने के बाद विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अब इन संस्थानों में सुबह 'दक्षिणामूर्ति स्तोत्र' लाउडस्पीकर पर बजाने को कहा है। पुलिस प्रशिक्षण के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) राजा बाबू सिंह ने राज्य के आठ पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों को यह नया निर्देश जारी किया है। इन स्कूलों में वर्तमान में करीब 4,000 पुरुष और महिला प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले रहे हैं। ये प्रशिक्षु अगले कुछ महीनों में मध्यप्रदेश पुलिस बल में आरक्षक के रूप में शामिल होंगे। सिंह ने बताया कि 'दक्षिणामूर्ति स्तोत्र' भगवान शिव से संबंधित एक संस्कृत स्तुति है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1994 बैच के अधिकारी सिंह ने कहा, ''दक्षिणामूर्ति भगवान शिव का एक स्वरूप है, जो परम ज्ञान, योग, ध्यान और विद्या के ब्रह्मांडीय गुरु का प्रतिनिधित्व करता है।''

जूनियर एनटीआर ने रविवार को बेंगलूरु के महादेवपुरा स्थित किम्स अस्पताल में 'पीईएस सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक' का उद्घाटन किया।

किम्स अस्पताल के दो अत्याधुनिक अस्पतालों का हुआ शुभारंभ

भारतीय फिल्म स्टार जूनियर एनटीआर ने किया उद्घाटन, देखने के लिए उमड़े प्रशंसक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के सबसे बड़े और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा समूहों में से एक, सिकंदराबाद स्थित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का एक प्रभाग, केआईएमएस हॉस्पिटल्स बेंगलूरु ने रविवार को महादेवपुरा और इलेक्ट्रॉनिक सिटी में स्थित अपने दो सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों का शुभारंभ किया। अस्पताल का उद्घाटन प्रसिद्ध भारतीय फिल्म स्टार जूनियर एनटीआर ने किया। यह बेंगलूरु और आसपास के लोगों को विश्व स्तरीय, रोगी-केंद्रित और तकनीक-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है।

दोनों इकाइयां शहर के सबसे तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में प्रमुखता से स्थित हैं ताकि सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा आसानी से उपलब्ध हो सके। महादेवपुरा इकाई में 450 से अधिक बिस्तर हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक सिटी सुविधा में 350 बिस्तर हैं। दोनों सुविधाओं में 30 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर और 170 से अधिक ओपीडी (आउट पेशेंट कंसल्टेशन रूम) हैं ताकि सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए, केआईएमएस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. बी. भास्कर राव ने कहा, बेंगलूरु स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हमारा आगमन उन नैदानिक उत्कृष्टता और रोगी-केंद्रित मूल्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय से केआईएमएस हॉस्पिटल्स को परिभाषित किया है। एक समूह के रूप में, हम तृतीयक और चतुर्थक देखभाल के मानकों को पुनर्परिभाषित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, सर्वश्रेष्ठ चिकित्सकों और रोगी-केंद्रित सुविधाओं में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ये सुविधाएं कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स, ईएनटी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, जनरल सर्जरी, इंटरनल मेडिसिन, क्रिटिकल केयर और क्रॉनिक डिजीज मैनेजमेंट सहित 25 से अधिक सुपर स्पेशियलिटी केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्रों के साथ एकीकृत हैं। अस्पताल 24/7 आधार पर प्राथमिक देखभाल से लेकर उन्नत निदान और उपचार विकल्पों तक व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे, जिससे रोकथाम और प्रारंभिक पहचान से लेकर सर्जरी और अंततः प्रबंधन तक एक निर्बाध देखभाल प्रक्रिया सुनिश्चित होगी।

कर्नाटक के बेंगलूरु में किम्स हॉस्पिटल्स की शुरुआत करना, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की दिशा में हमारा एक रणनीतिक कदम है। हमारी विकास रणनीति उच्च विकास वाले बाजारों में एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली विकसित करने पर केंद्रित है ताकि इन समुदायों को उन्नत चिकित्सा सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें। हॉस्पिटल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बी. अभिनय ने कहा, इन दो अस्पतालों की शुरुआत इसी दिशा में एक कदम है।

उद्घाटन समारोह में बोलते हुए भारतीय फिल्म स्टार एनटीआर ने कहा, आज यहां होना मेरे लिए सचमुच एक भावुक क्षण है। मेरे दादाजी, एन.टी. रामाराव ने 43 वर्ष पूर्व बेंगलूरु में पीईएस विश्वविद्यालय (नया ब्लॉक) की नींव रखी थी, और इस नए अस्पताल के उद्घाटन के साथ उस विरासत को आगे बढ़ते देखना मेरे लिए इस अवसर को बेहद खास बनाता है। बेंगलूरु शहर और कर्नाटक के लोगों के साथ मेरा गहरा जुड़ाव है, जिन्होंने हमेशा मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया है। एक दशक से अधिक समय से केआईएमएस अस्पताल परिवार से जुड़े रहने के दौरान, मैंने चिकित्सा उत्कृष्टता के साथ मानवीय स्पर्श प्रदान करने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को देखा है। इस अत्याधुनिक अस्पताल का उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है।

बेंगलूरु स्थित केआईएमएस हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक डॉ. नीतीश शेट्टी ने कहा, हम समय पर और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। महादेवपुरा और इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्थित ये केंद्र बेंगलूरु के लोगों की बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं।

राष्ट्रपति के दौरे के दौरान 'प्रोटोकॉल उल्लंघन' को लेकर कुमारस्वामी ने बंगाल सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान कथित 'प्रोटोकॉल उल्लंघन' पर आपत्ति जताते हुए रविवार को कहा कि राजनीतिक विचारधाराओं में भिन्नता के कारण संवैधानिक पदों पर आसान व्यक्तियों के अनादर को कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। जनता दल (एस) के नेता कुमारस्वामी ने यह भी कहा कि एक परिपक्व लोकतंत्र में, हर सरकार को, चाहे वह किसी भी पार्टी से संबंधित हो, उन संस्थाओं की गरिमा बनाए रखनी चाहिए जो देश के संवैधानिक ढांचे की रक्षा करती हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने हाल में अपनी सिलीगुड़ी यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने संथाल सम्मेलन के लिए आखिरी समय में कार्यक्रम स्थल बदले जाने और उनके स्वागत के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा राज्य के मंत्रियों की अनुपस्थिति का उल्लेख किया था।

कुमारस्वामी ने एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का अपमान संविधान का अपमान है। राष्ट्रपति पद हमारे गणराज्य की संप्रभुता, एकता और गरिमा का प्रतीक है, और यह सभी राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर है। उन्होंने कहा, राजनीतिक विचारधाराओं में भिन्नता के कारण संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के अनादर को कभी भी उचित नहीं ठहरा सकते हैं।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हुए बर्ताव को देखकर गहरी पीड़ा हुई। उन्होंने एक्स' पर लिखा, राष्ट्रपति मुर्मू जी का जीवन भारत की आदिवासी समुदायों की ताकत और गौरव का जीवंत प्रतीक है, और उनका अपमान करना उन लाखों आदिवासियों का अपमान करना है, जिनकी आकांक्षाओं व पहचान का प्रतिनिधित्व वह करती हैं।

सिस्टर्स इन स्वेट का 'सिस्ट्रा रन' ओरियन गेटवे पर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को महिलाओं की उपलब्धियों और जज्बे को सम्मानित करने के लिए ओरियन मॉल्स ने आज विशेष कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। महिलाओं की विशेष दौड़ से लेकर बेंगलूरु की महिला उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित करने के समारोह और 25 चुनिंदा महिला उपलब्धि हासिल करने वालों के लिए विशेष रूप से आयोजित कार्यक्रमों तक, मॉल ने 8 मार्च को जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाओं को सम्मानित करने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया है। उत्सव की शुरुआत 'सिस्ट्रा रन' से हुई, जिसका आयोजन 'सिस्टर इन स्वेट' और ओरियन मॉल्स ने मेराकी स्पोर्ट एंड एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया। महिलाओं की शक्ति और एकता का जश्न मनाने के उद्देश्य से आयोजित इस दौड़ में 2.5 किमी, 5 किमी और 10 किमी श्रेणियों में लगभग 1,200 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों की 25 भाग्यशाली महिलाओं के लिए विशेष अनुभवात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जिनमें प्रमुख आरजे, फैशन आइकन और लाइफस्टाइल एवं फूड ब्लॉगर शामिल थीं। कार्यक्रमों का समापन रेड एफएम के सहयोग से आयोजित 'ओरियन वेम्पॉवर' के 5वें संस्करण के साथ हुआ, जिसमें बेंगलूरु भर की उल्लेखनीय महिला उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए समर्पित समारोह 'ओरियन वेम्पॉवर रेड शक्ति अवार्ड्स' प्रदान किए गए।

महिला दिवस पर वंदे भारत एक्सप्रेस को महिला क्रू ने संचालित किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ट्रेन सं. 20607 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - मैसूरु वंदे भारत एक्सप्रेस को बेंगलूरु और मैसूरु के बीच पूरी तरह महिला क्रू द्वारा संचालित कर इस दिन का उत्सव मनाया। इस अवसर पर बल्ला शिवपार्वती ट्रेन की लोको पायलट, अस्वथी एस नायर सहायक लोको पायलट और प्रियदर्शिनी ट्रेन मैनेजर (गार्ड) थीं। इस तरह भारतीय रेलवे के महत्त्वपूर्ण संचालनात्मक पदों पर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाया गया।ट्रेन को वरिष्ठ मंडल संचालन प्रबंधक प्रिया, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (समन्वय) उमा शर्मा, मंडल वाणिज्य प्रबंधक निवेदिता बलारड्डियावर और मंडल विद्युत अभियंता (ट्रैक्शन संचालन) अखिल मट्टू द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए महिला कर्मचारियों और महिला यात्रियों को गुलाब भेंट कर स्वागत किया गया।

केंद्र सरकार ने महिला दिवस पर सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर तोहफ़ा दिया : लक्ष्मी हेब्बालकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महिला दिवस पर देश की महिलाओं को रसोई गैस की कीमत बढ़ाकर तोहफ़ा देने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा है कि केंद्र का यह कदम बहुत दुखद और निंदनीय है। इस बारे में मीडिया में बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा, घरेलू सिलेंडर की कीमत अचानक 60 रुपये बढ़ा दी गई है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 115 बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 महीनों में घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कुल 110 की बढ़ोतरी ने मिडिल क्लास और गरीब परिवारों पर भारी बोझ डाला है।उन्होंने कहा कि रसोई गैस हर घर में एक ज़रूरी चीज़ है। इस ज़रूरी चीज़ की कीमत बढ़ाना, जो सीधे घर चलाने वाली महिलाओं की ज़िंदगी से जुड़ी है, एक ऐसा कदम है जिससे महिलाओं पर और पैसे का दबाव पड़ेगा। हेब्बालकर ने गुस्सा जताते हुए कहा कि यह बहुत दुख की बात है कि महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली केंद्र सरकार ने महिला दिवस पर ऐसा फैसला लिया है। राज्य सरकार पर हमेशा आरोप लगाने और विरोध करने वाले भाजपा नेता अब इस पर क्या कहेंगे? क्या वे केंद्र सरकार द्वारा इस कीमत बढ़ोतरी को सही ठहराएंगे? या वे गरीबों और महिलाओं के पक्ष में आवाज उठाएंगे? उन्होंने सवाल किया। मंत्री ने मांग की कि केंद्र सरकार तुरंत इस कीमत बढ़ोतरी के फैसले को वापस ले और लोगों, खासकर महिलाओं पर आर्थिक बोझ कम करे।

गारंटी योजनाएं गरीबों का सशक्त करने का मॉडल, कांग्रेस 2028 में सत्ता में लौटेगी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने यहां विश्वास जताया कि कांग्रेस 2028 में प्रदेश में सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में शुरू की गई पांच गारंटी योजनाएं वंचित तबके के लोगों, महिलाओं, बेरोजगार लोगों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए ना केवल इस राज्य में बल्कि पूरे देश में एक मॉडल बन गई हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले के बंतवाल तालुक में मुदुरु-पदरु में कंबला (भैंसा दौड़) का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए कल्याणकारी उपाय, कांग्रेस सरकार की दृष्टि में दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा, गरीबों, समाज के कमजोर तबकों को सशक्त करने के एकमात्र उद्देश्य से पांच गारंटी योजनाएं शुरू की गई थीं। ये योजनाएं सामाजिक एवं आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक मॉडल बन गई हैं।

सिद्दरामय्या ने कहा कि लोकतंत्र अकेले राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इससे सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण भी सुनिश्चित होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा, एक लोकतंत्र का राजनीति में तब तक बहुत सीमित अर्थ होता है जब तक कि यह सामाजिक और आर्थिक रूप से जीवंत ना हो। राज्य सरकार इसी लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने कंबला का आयोजन करने वाले वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व मंत्री बी. रामनाथ राय की सराहना करते हुए उन्हें सबसे ईमानदार नेताओं में से एक बताया और विधायक एवं मंत्री के उनके कार्यकाल में इस विधानसभा क्षेत्र में करीब 5,000 करोड़ रुपये के विकास कार्य लाने में उनकी भूमिका याद दिलाई। उन्होंने कहा कि अपने योगदान के बावजूद राय बंतवाल से विधानसभा चुनाव हार गए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि वह 2028 में इस विधानसभा से फिर चुनाव लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे। मुख्यमंत्री ने परंपरागत सांस्कृतिक व्यवस्थाओं का संरक्षण करने और कंबला दौड़ का आयोजन करने के लिए इस तटीय क्षेत्र के लोगों की सराहना की।

उत्तर कर्नाटक संघ के महासंघ ने बेंगलूरु में मनाई होली रंग पंचमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उत्तर कर्नाटक संघ के महासंघ ने बेंगलूरु के राम मंदिर मैदान में होली रंग पंचमी का एक बड़ा प्रोग्राम मनाया। महिलाओं और बच्चों ने काम दहन करके और रंगों से खेलकर होली मनाई। इस मौके पर बोलते हुए, महासंघ के प्रेसिडेंट शिवकुमार मेटी ने कहा कि हर साल, हमारा महासंघ बेंगलूरु में काम दहन करके होली मनाता है और अपनी संस्कृति को बचाने का काम कर रहा है। उत्तर कर्नाटक में, लकड़ी का एक छोटा सा टुकड़ा चुराकर कामन्ना जलाना एक जश्न है। उन्होंने कहा कि आइए हम सब बेंगलूरु में अपने इलाके की संस्कृति को यहां भी बनाए रखें।

महासंघ के जनरल सेक्रेटरी शंकर पगोजी ने कहा कि हम रंग पंचमी, बन्नी हब्बा और रोटी पंचमी जैसे उत्तर कर्नाटक के कल्चरल त्योहार मनाकर बेंगलूरु में अपनी संस्कृति को ज़िंदा रखने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को हमारे इलाके की संस्कृति और त्योहारों से परिचित कराने का काम किया जा रहा है। फिल्म एक्ट्रेस श्रीदेवी मेलिगट्टी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि हम सब एकता दिखाने के लिए एक साथ आए हैं, जहां भी हो सके हमें अपनी संस्कृति दिखानी चाहिए। हमारी संस्कृति को बचाए रखने में महिलाओं की भूमिका बहुत बड़ी है। उन्होंने कहा कि त्योहार मनाने से हमारे रिश्ते मजबूत होते हैं। महा संस्था के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी एस. जे. मेटी ने कहा कि बेंगलूरु में उत्तर कर्नाटक के करीब पच्चीस लाख लोग हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम एकजुट हों तो अपने इलाके का विकास कर सकते हैं।

कर्नाटक के आवासीय स्कूल में छात्र ने सहपाठियों पर हमला किया, एक की मौत

बल्लारी। बल्लारी के एक निजी आवासीय विद्यालय में नौवीं कक्षा के एक छात्र ने कथित तौर पर हमला करके एक व्यक्ति की हत्या कर दी और अन्य को एक नुकीली वस्तु व लोहे की छड़ से घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार रात स्कूल के छात्रावास में घटी। मृतक लड़का आंध्र प्रदेश का निवासी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए 'विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' (वीआईएमएस), बल्लारी ले जाया गया।

उद्घाटन

एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और मंत्री शरणप्रकाश पाटिल के साथ रविवार को कलबुर्गी जिले के चित्तापुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

जयपुर में आरयूएचएस में बच्ची का 'स्मार्ट कॉक्लियर इंप्लांट' का सफल ऑपरेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) के कान, नाक और गला विभाग के चिकित्सकों ने उदयपुर निवासी तीन वर्षीय बच्ची के कान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित 'स्मार्ट कॉक्लियर इम्प्लांट' लगाने का सफल ऑपरेशन किया जो सरकारी स्तर पर राज्य में इस प्रकार की पहली सर्जरी है। चिकित्सकों ने रविवार को यह जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि शनाया नाम की तीन साल की बच्ची का यह ऑपरेशन किया गया। उन्होंने बताया कि करीब तीन घंटे चले इस ऑपरेशन के बाद बच्ची स्वस्थ है तथा वह अगले 21 दिन बाद सुन और बोल सकेगी।

आरयूएचएस के कान, नाक और गला विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि सरकारी स्तर पर प्रदेश में इस तरह का यह पहला आधुनिक 'कॉक्लियर इम्प्लांट' है, जो श्रवण बाधित बच्चों के उपचार में एक नयी दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के बाद शनाया के लिए सुनने और बोलने की संभावनाएं काफी बेहतर हो गई हैं। शनाया के पिता ने बताया कि ऐसा नहीं था कि उनकी बेटी को जन्म से ही कुछ सुनाई नहीं देता था।

उन्होंने कहा, घर में भजन या गीत बजाए जाने पर उसे आवाज का आभास हो जाता था लेकिन दो साल की उम्र के बाद उसे सुनाई देना अचानक बंद हो गया। डॉ. मोहनीश ने बताया कि इस 'इम्प्लांट' में लगी चिप अत्यंत तेज और उन्नत प्रोसेसिंग क्षमता के साथ काम करती है, जिससे ध्वनि की गुणवत्ता बेहतर बनती है। उन्होंने कहा, कान के अंदर लगाया जाने वाला यह 'इम्प्लांट' करीब 30 साल तक काम कर सकता है। ध्वनि संसाधक (साउंड प्रोसेसर) की बैटरी बाहर लगी होती है, जो तीन साल तक चलती है।

उन्होंने कहा, इस 'इम्प्लांट' में 'स्मार्ट नेवर' तकनीक है, जो ऑपरेशन के दौरान इम्प्लांट की सही जगह बताती है। इसमें आंतरिक मेमोरी है, जिसमें मरीज की मैपिंग और तथ्य सुरक्षित रखा जा सकता है।

इसे स्मार्टफोन की तरह समय-समय पर अपडेट किया जा सकेगा। डॉ. मोहनीश ग्रोवर, डॉ. राघव मेहता, डॉ. रश्मि अग्रवाल तथा डॉ. अंबिका देवरा ने यह जटिल ऑपरेशन किया। चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने इस अवसर पर कहा, यह राज्य में उन्नत चिकित्सा सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस प्रकार की पहल से प्रदेश में मरीजों को बेहतर एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। साथ ही भविष्य में अधिक से अधिक मरीजों को अपने राज्य में आधुनिक उपचार की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। आरयूएचएस के प्राचार्य डॉ. विनोद जोशी ने कहा, यह पूरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय है कि इस प्रकार का अत्याधुनिक 'कॉक्लियर इम्प्लांट' राज्य में पहली बार सफलतापूर्वक किया गया है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास - यही नए भारत की दिशा : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि महिलाओं की तरक्की में सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना से धरातल पर सकारात्मक बदलाव सामने आने लगे हैं। आज देश के हर क्षेत्र में महिलाएं बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। वर्ष 2014 के बाद से महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नई चर्चा शुरू हुई है। कर्नल राठौड़ रविवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मान समारोह एवं परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। महिलाओं को उद्यम से जोड़ने के लिए उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं में अतिरिक्त सब्सिडी सहित अन्य प्रावधान किए गए हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बड़ी भूमिका है। विकसित भारत-2047 के विजन में गांव-कस्बों में महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले छोटे-छोटे उद्यमों का महत्वपूर्ण योगदान होगा। आज औद्योगिक क्षेत्र में भी महिलाएं बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने सफल महिला उद्यमियों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ें, ताकि सभी को इनका लाभ मिल सके।

कर्नल राठौड़ ने उद्यमी, खिलाड़ी और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया। विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया। साथ ही, एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। योजनाओं के तहत 2 महिलाओं को ऋण के चेक, 9 महिलाओं को स्वीकृति पत्र और 2 महिलाओं को रीको के तहत भूमि आवंटन पत्र भी प्रदान किए गए। इस दौरान एक लाइव गेम का आयोजन किया गया, जिसमें एक ई-साइकिल और एक स्पोर्ट्स साइकिल प्रदान की गई। इससे पहले ओडीओपी नीति के तहत आईसीईएस की 'कौशल वाहिनी- स्किल ऑन व्हील्स' को झंडी दिखाकर शिल्पकारों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लाभ प्राप्त करने वाले 10 उद्यमी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के लाभ से काफी प्रोत्साहन मिला है। उद्योग शुरू करने में आर्थिक सहयोग के अलावा देश-विदेश में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने पर भी अनुदान मिल रहा है। इस दौरान रान्जका गारमेंट की श्रीमती डेमा मित्तल ने कहा कि राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति से काफी लाभ मिला है। सरकार के सहयोग से यूएसए में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का मौका मिला है, अब वहां से ऑर्डर मिल रहे हैं।

महिला दिवस को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन को और भी विशेष बनाने के लिए सारी जिम्मेदारी विभाग की महिला अधिकारियों को ही सौंपी गई है। आयोजन की पूर्व रूपरेखा तैयार करने के साथ ही पंजीकरण से लेकर स्टेज तक सारा कार्य महिला अधिकारियों द्वारा ही संपादित किया गया। रीको एमडी श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार द्वारा स्वागत उद्बोधन और राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त श्रीमती मनीषा अरोड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, आयुक्त सुरेश ओला सहित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और राजस्थली की श्रीमती माया ठाकुर सहित अन्य महिला उद्यमी मौजूद रहे। साथ ही, फिक्की फ्लो की चैयरपर्सन डॉ. रिम्मी शेखावत, सीआईआई इंडियन वुमेन नेटवर्क की चैयरपर्सन सुश्रद्धा अग्रवाल, आरसीसीआई यंग वुमेन एंटरप्रीन्योर की चैयरपर्सन सुचांदनी जग्गा और लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय सचिव सुअंजु सिंह ने भी संबोधित किया।

जालोर में दामाद ने कैंची से काटी सास की नाक

जयपुर। राजस्थान के जालोर जिले में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के कारण शनिवार शाम को अपनी सास पर कथित रूप से कैंची से हमला कर उसकी नाक काट दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना डूंगरी के बंधा गांव में हुई। आरोपी सोहनलाल घटना के बाद नाक का कटा हुआ हिस्सा लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार सोहनलाल का अपनी पत्नी के परिवार से लंबे समय से विवाद था। दोनों की शादी लगभग छह साल पहले हुई थी। पति-पत्नी पिछले एक साल से अलग रह रहे थे और समुदाय के प्रयासों के बावजूद विवाद का समाधान नहीं हो पाया था।

पुलिस ने बताया कि पिछले कई दिनों से दोनों परिवारों में तनाव था और शनिवार शाम को घर पर उनके बीच बहस भी हुई थी। शाम को पीड़िता केली देवी अपने दामाद सोहनलाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने स्थानीय थाने जा रही थीं, तभी आरोपी ने उन पर कैंची से हमला कर उनकी नाक काट दी। सरवाना थाना प्रभारी मोहनलाल ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा, परिवार के सदस्य महिला को इलाज के लिए गुजरात के मेहसाणा ले गए हैं। महिला और परिवार के बयान अभी दर्ज नहीं किए गए हैं।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक जैसे अभियानों में दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां गांवों में कोई न कोई ऐसा परिवार है जिसने सेना की वर्दी पहनी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे आजीवन राष्ट्रहित और समाजहित के लिए निरन्तर कार्य करते हैं। उनका त्याग और बलिदान से परिपूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। शर्मा रविवार को चूरू के जिला खेल स्टेडियम में आयोजित गौरव सेनानी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चूरू और शेखावाटी की धरती ने देशप्रेम के भाव को सदैव जीवंत रखा है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ जैसे वीर सपूतों ने राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने चूरू के जिला खेल स्टेडियम का नाम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत साहस का प्रदर्शन करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर रखे जाने की घोषणा भी की। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक प्रमुख विश्व शक्ति बन कर उभर रहा है। भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन पराक्रम, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है।

शर्मा ने कहा कि वीर सपूतों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। वीर नारियों और वीरांगनाओं का त्याग भी हमारे लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों और उनके परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। इसी कड़ी में, घर-घर जाकर पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों से संवाद किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत सैनिक कल्याण कॉम्पलेक्स का चरणबद्ध निर्माण कर रही है। इन कॉम्पलेक्सेज में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, युद्ध स्मारक, सैनिक कैंटीन, स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक भवन एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। प्रथम चरण में 36 करोड़ रुपये की लागत से जोधपुर, टोंक, शेरगढ़ और झुंझुनूं में इन कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में मेजर शैतान सिंह कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र और झुंझुनूं में 'वॉर म्यूजियम' की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिक और उनके परिवारों को सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट देने के साथ ही, नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय भी खोले जा रहे हैं। विभिन्न विभागों में रेक्सको के माध्यम से नियोजित पूर्व सैनिकों के मानदेय में पिछले 2 वर्ष में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है।

गृह रक्षा विभाग को तकनीकी सक्षम एवं सशक्त बनाने पर जोर : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्य सचिव ने विभाग की आईटी एवं सरंचना को सुढ़ करने एवं एचडीएमएस प्रणाली की कार्यात्मक क्षमताओं का विस्तार करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण तथा सेवा प्रबंधन में पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित होगी।

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों तथा भावी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गृह रक्षा विभाग के आधुनिकीकरण को राज्य सरकार की ह्रदीर्घकालीन परिकल्पना 'विकसित राजस्थान2047' के अनुरूप गति देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि होमगार्ड स्वयंसेवकों को केवल आरक्षित सहायक बल के रूप में सीमित न रखते हुए उन्हें एक सक्रिय तकनीकी रक्षक और मुख्य धारा में एकीकृत सहायक बल के रूप में विकसित किया जाए।

उन्होंने आपदा प्रबंधन में होमगार्ड की अग्रिम भूमिका को सुढ़ढ़ करने, जयपुर सहित प्रदेशभर में यातायात प्रबंधन में उनकी संस्थागत एवं परिचालनात्मक भागीदारी बढ़ाने तथा नवीनतम तकनीकों के अनुरूप उनके प्रशिक्षण एवं क्षमता सर्वंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने विभाग की आईटी एवं सरंचना को सुढ़ढ़ करने एवं एचडीएमएस प्रणाली की कार्यात्मक क्षमताओं का विस्तार करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण तथा सेवा प्रबंधन में पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार गृह रक्षा दल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था में एक विश्वसनीय, सक्रिय एवं तकनीकी सक्षम सहायक बल के रूप में और अधिक सुढ़ढ़ भूमिका निभा सकेगा।

वी. श्रीनिवास ने विभागीय केडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को देय शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में विद्यमान विसंगतियों के समाधान तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया गया। उन्होंने आश्वस्त किया कि इन विषयों पर आगामी तीन माह के भीतर पुन: समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी तथा लंबित प्रस्तावों पर निर्णय लिये जाएंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत, महानिदेशक गृह रक्षा श्रीमती मालिनी अग्रवाल, संयुक्त शासन सचिव गृह (ग्रुप-7) श्रीमती सोविला माथुर, निदेशालय अधिकारीगणों सहित समस्त जिलों के गृह रक्षा कमांडेंट उपस्थित रहे।

पुलिस दूरसंचार अधीक्षक ने जातिसूचक टिप्पणी की

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय में एक बैठक के दौरान जातिसूचक टिप्पणी करने के आरोप में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अपने अधीनस्थ के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ज्योति नगर थाना प्रभारी संतरा मीणा ने बताया, पुलिस दूरसंचार निदेशक दौलतराम अटल की शिकायत पर शुक्रवार को पुलिस दूरसंचार अधीक्षक नीतू बुगालिया के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पांच मार्च की शाम पुलिस मुख्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक(साइबर अपराध और तकनीकी सेवाएं) वी.के. सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई थी।

झुंझनू में डंपर ने बुजुर्ग को कुचला

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के झुंझुनू जिले में शनिवार रात एक डंपर ने एक बुजुर्ग को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना के आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस पर पथराव किया जिससे चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। उसनक बताया कि मृतक की पहचान धूदाराम (70) के रूप में हुई है। उसने बताया कि धूदाराम सड़क किनारे पैदल चल रहे थे, तभी खनन क्षेत्र से आ रहे डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई।

उसने बताया कि इस घटना के बाद ग्रामीण मेहड़ा गांव में एकत्र हो गए और बाद में उन्होंने क्षमता से अधिक सामान लेकर डंपर चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की स्थानीय थाने में पहुंचकर मांग की। पुलिस ने बताया कि इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस वाहन पलटने का प्रयास किया। उसने बताया कि पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन तभी भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया जिसमें चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि भीड़ ने सड़क बाधित करने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

जयपुर की पहचान : अमित पाबूवाल ने बनाई थी टी20 विश्व कप ट्रॉफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आईसीसी टी20 विश्व कप के रविवार को होने वाले फाइनल पर दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों की नजरें रहेंगी तो वहीं जयपुर ने भी इस विश्व कप में अपनी अमिट छाप छोड़ी है क्योंकि इसकी ट्रॉफी जयपुर में बनी है। जयपुर के प्रसिद्ध ट्रॉफी डिजाइनर अमित पाबूवाल ने इस ट्रॉफी को डिजाइन किया था। आईसीसी टी20 विश्व कप का फाइनल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाना है। इस ट्रॉफी को डिजाइन करने के पीछे की कहानी पाबूवाल ने पीटीआई-भाषा के साथ साझा करते हुए बताया कि 2007 में विश्व कप ट्रॉफी की डिजाइन की रूपरेखा ऑस्ट्रेलिया की मिनाले ब्रायस कंपनी ने तैयार की थी। टी20 विश्व कप का पहला सत्र 2007 में हुआ था जिसमें भारत चैंपियन बना था। पाबूवाल ने कहा, रूपरेखा तैयार होने के बाद इस ट्रॉफी को बनाने का काम आईसीसी ने मुझे सौंपा। मैंने क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी चांदी की फ्रेंडशिप कप ट्रॉफी बनाई। इस ट्रॉफी की दुनियाभर में चर्चा हुई। इसके बाद आईसीसी ने टी20 विश्व कप की ट्रॉफी बनाने की जिम्मेदारी मुझे सौंपी। उन्होंने दावा करते हुए कहा, शुरुआत में आईसीसी ने ट्रॉफी बनाने के लिए दो विकल्पों पर विचार किया। इसे मैं तैयार करूं या प्रसिद्ध क्रिस्टल कंपनी स्वारोवस्की। अंतत: आईसीसी ने मुझे इस ट्रॉफी का डिजाइन तैयार कर बनाने के लिए चुना। पाबूवाल ने बताया कि आईसीसी की योजना थी कि ट्रॉफी टाइटेनियम और कांच के संयोजन से बनें। इसमें कुछ हिस्से धातु के और कुछ हिस्से कांच के हों जिससे कि टी20 क्रिकेट की तेज और आधुनिक शैली को दर्शाया जा सके। पाबूवाल ने बताया, इसके लिए कई नमूने तैयार किए गए लेकिन धातु संरचना के साथ जोड़ते समय कांच के हिस्से बार-बार टूट जाते थे। इन दोनों सामग्रियों को एक साथ जोड़ना तकनीकी रूप से बहुत कठिन साबित हुआ। लंबे प्रयोगों के बाद मैंने आईसीसी को सलाह दी कि यह संयोजन तकनीकी रूप से ठीक नहीं है। ट्रॉफी बन नहीं पाएगी।

उन्होंने कहा, उस समय स्वारोवस्की कंपनी ने आईसीसी को आश्वासन दिया कि वे इस डिजाइन को सफलतापूर्वक बना सकते हैं। मैंने स्पष्ट कहा कि यह बेहद कठिन होगा क्योंकि सभी संभावित प्रयोग पहले ही किए जा चुके हैं। इसके बाद स्वारोवस्की कंपनी ने ट्रॉफी बनाने का प्रयास किया लेकिन वे इसे सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर पाए।

पाबूवाल ने बताया कि इसके बाद आईसीसी ने फिर से उनसे संपर्क किया। आईसीसी का कहना था कि इस ट्रॉफी का डिजाइन अन्य ट्रॉफी से अलग हो और दिखने में आधुनिक हो। इसके बाद ट्रॉफी के डिजाइन में सुधार के बाद चांदी से ट्रॉफी बनाई गई जिस पर प्लेटिनम की परत चढ़ाई गई। इस तरह से ट्रॉफी टिकाऊ, आकर्षक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट के योग्य विश्वस्तरीय रूप में तैयार हुई।

पाबूवाल ने बताया कि आईसीसी टी20 विश्व कप में जब कोई टीम खिताब जीतती है तो उसे असली ट्रॉफी नहीं दी जाती है बल्कि हूबहू नकल दी जाती है। असली ट्रॉफी आईसीसी के मुख्यालय में ही रखी जाती है। उन्होंने बताया कि टी20 विश्व कप ट्रॉफी की ऊंचाई 21 इंच है। यह चांदी और प्लेटिनम की प्लेट से बनी है। इसका वजन करीब छह किलोग्राम है। अमित 1987 रिलायंस विश्व कप, इंडिपेंडेंस कप, हीरो कप और विश्व कप 1996 सहित कई ट्रॉफी बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी चांदी की ट्रॉफी बनाई जिसे पहली बार 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ट्रॉफी' के रूप में मान्यता मिली। उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी स्वर्ण ट्रॉफी आईगेट सीईओ कप के लिए बनाई।

प. बंगाल की जनता राष्ट्रपति मुर्मू के घोर अपमान के लिए तृणमूल को माफ नहीं करेगी : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर रविवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि राज्य की जागरूक जनता एक महिला आदिवासी नेता और देश की राष्ट्रपति का ''अपमान'' करने के लिए पार्टी को कभी माफ नहीं करेगी।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर और अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में यह बात कही। मोदी ने कहा, ''आज जब पूरा देश अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है, यह बेहद चिंताजनक है कि कल ही पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का घोर अपमान किया।'' मोदी की यह टिप्पणी राष्ट्रपति मुर्मू श्रेरा शनिवार को पश्चिम बंगाल में आदिवासी समुदाय के सम्मेलन के स्थान में परिवर्तन और उनके दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और मंत्रियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करने के बाद आई है। इसके तुरंत बाद, बनर्जी ने राष्ट्रपति पर ''भाजपा की सलाह

पर बोलने'' का आरोप लगाया तथा मणिपुर और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आदिवासियों के खिलाफ कथित अत्याचारों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया।

भाजपा ने राष्ट्रपति का ''अपमान'' करने के लिए तृणमूल सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे ''शर्मनाक और अभूतपूर्व'' करार दिया तथा तृणमूल कांग्रेस पर सभी हदें पार करने का आरोप लगाया।

रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के कारण न केवल आदिवासी समुदाय के कार्यक्रम में कुप्रबंधन देखने को मिला, बल्कि यह राष्ट्रपति, संविधान और देश में लोकतंत्र की महान परंपरा का भी अपमान है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति मुर्मू जी संथाल आदिवासी परंपरा के सम्मान में आयोजित एक महत्वपूर्ण समारोह में भाग लेने के लिए बंगाल गई थीं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इस पवित्र और महत्वपूर्ण कार्यक्रम का बहिष्कार करना चुना, जिसका राष्ट्रपति और आदिवासी समुदाय दोनों के लिए बहुत महत्व है।''

मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति स्वयं आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं और उन्होंने संथाल समुदाय के प्रति गहरी चिंता व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जागरूक जनता तृणमूल कांग्रेस को ''एक महिला का अपमान करने, एक आदिवासी का अपमान करने और देश की माननीय राष्ट्रपति का अपमान करने'' के लिए कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ''न तो देश माफ करेगा, न ही देश का आदिवासी समाज कभी माफ करेगा, और न ही देश की महिला शक्ति कभी माफ करेगी।''

बंगाल में राष्ट्रपति का अपमान पूरे देश और सभी महिलाओं के अपमान के समान : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सभी महिलाओं और पूरे देश का अपमान है।

माझी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आरोप लगाया कि जब भारत की प्रथम नागरिक द्रौपदी मुर्मू नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने पश्चिम बंगाल गईं, तो बंगाल सरकार ने उनका अपमान किया। संथाल समुदाय से ताल्लुक

रखने वाले माझी ने कहा, उनका (राष्ट्रपति मुर्मू का) अभिनंदन तो दूर की बात है, न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई राज्य मंत्री उनका स्वागत करने गए। राष्ट्रपति का अपमान हर महिला और पूरे देश का अपमान है। मुर्मू ने शनिवार को उत्तर बंगाल के दौरे के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में आदिवासियों के विकास की धीमी गति पर सवाल उठाया और आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या मुख्यमंत्री 'नाराज' हैं क्योंकि न तो वह और न ही कोई राज्य मंत्री उनका स्वागत करने के लिए उपस्थित थे। माझी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को 'असंवेदनशील' करार दिया और कहा, पश्चिम बंगाल सरकार ने जिस तरह से राष्ट्रपति का अपमान किया, राज्य के सभी राजनीतिक दलों को एक स्वर में इसकी निंदा करनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने मिजोरम में एम्स के लिए समर्थन का वादा किया : भाजपा

आइजोल/भाषा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मिजोरम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना के लिए अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। भाजपा नेता जॉनी लालथनपुइया के अनुसार, उपराष्ट्रपति ने लोक भवन में भाजपा की राज्य इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के दौरान यह आश्वासन दिया। भाजपा की मिजोरम इकाई के अध्यक्ष डॉ. के. बेइचुआ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति को राज्य की विकास संबंधी प्रमुख आवश्यकताओं से अवगत कराया। लालथनपुइया ने एक बयान में कहा कि चर्चा का मुख्य विषय क्षेत्र में एक प्रमुख चिकित्सा संस्थान की लंबित मांग थी। डॉ. बेइचुआ ने इस बात पर जोर दिया कि एम्स या इसके समकक्ष किसी स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना, 2018 और 2023 दोनों विधानसभा चुनावों में भाजपा के घोषणापत्रों का एक प्रमुख मुद्दा रहा है। उपाराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भाजपा की प्रदेश इकाई के नेतृत्व को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से एक औपचारिक लिखित प्रस्ताव के साथ आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भेजने की सलाह दी और केंद्रीय स्तर पर इस परियोजना के लिए पैरवी करने का वादा किया।

नीतीश कुमार आज से अपनी 'समृद्धि यात्रा' फिर से शुरू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार से अपनी 'समृद्धि यात्रा' फिर से शुरू करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। समृद्धि यात्रा 16 जनवरी को पश्चिम चंपारण जिले से शुरू की गई थी, लेकिन बिहार विधानसभा के बजट सत्र के कारण इसे रोकना पड़ा।

कैबिनेट सचिवालय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) अरविंद कुमार चौधरी ने सभी विभागाध्यक्षों, पुलिस प्रमुखों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को लिखे एक पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री सोमवार से शुरू होने वाली 'समृद्धि यात्रा' के दौरान जारी सरकारी परियोजनाओं और अन्य योजनाओं की समीक्षा करेंगे और लोगों से बातचीत भी करेंगे। मुख्यमंत्री 14 मार्च तक चलने वाली यात्रा के दौरान सुपौल, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, खगड़िया, बेगूसराय और शेखपुरा का दौरा करेंगे। राज्य प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों को भेजे गए पत्र के अनुसार, मुख्यमंत्री यात्रा के दौरान जारी परियोजनाओं का भी निरीक्षण करेंगे। पत्र में कहा गया, विभागों के सभी अतिरिक्त मुख्य सचिव, डीजीपी और परियोजनाओं का प्रबंधन करने वाले वरिष्ठ अधिकारी समीक्षा बैठकों में भाग लेंगे। कुमार ने इससे पहले दिसंबर 2024 में अपनी राज्यव्यापी 'प्रगति यात्रा' शुरू की थी। यह यात्रा फरवरी 2025 तक चली थी।

महिलाएं समाज की प्रगति की मजबूत नींव हैं : हेमंत सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे समाज की प्रगति की एक मजबूत नींव हैं। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश की आधी आबादी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, हमारी माताएं और बहनें न केवल परिवार की शक्ति हैं,बल्कि समाज और राज्य की प्रगति की भी मजबूत नींव हैं। अपनी कड़ी मेहनत, साहस और दृढ़ संकल्प से वह हर क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के कदम से बिहार की राजनीति में 'वैचारिक बदलाव' आ सकता है : दीपांकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने रविवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा जाने का निर्णय राज्य में एक ''वैचारिक बदलाव'' और राजनीतिक विमर्श में परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने इस घटनाक्रम को ''बिहार की जनता के साथ विश्वासघात'' करार दिया।

भट्टाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम भाजपा के अपने सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) पर बढ़ते प्रभुत्व का संकेत देता है और बिहार के राजनीतिक परिदृश्य को बदल सकता है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इसका मतलब केवल सत्ता पर कब्जा नहीं, बल्कि एक तरह का राजनीतिक बदलाव होगा। इससे न सिर्फ बिहार बल्कि, संभवत: उत्तर भारत में राजनीतिक विमर्श में भी परिवर्तन आएगा।''

इस घटनाक्रम को ''बड़ा झटका'' बताते हुए, वामपंथी नेता ने कहा कि जिस तरह से यह सब हो रहा है, वह नीतीश कुमार के प्रति ''बहुत अपमानजनक'' प्रतीत होता है। उन्होंने कहा, ''लोगों को बेशक पता था कि भाजपा अब प्रभावी रूप से सरकार को नियंत्रित कर रही है, लेकिन जिस तरह से यह हो रहा है वह नीतीश कुमार को अपमानजनक तरीके से दरकिनार करने जैसा है।''

दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि इस कदम से कई मतदाता ठगा हुआ महसूस कर सकते हैं, क्योंकि गठबंधन ने कुमार के नाम पर जनादेश मांगा था।

जद(यू) प्रमुख कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की। वह बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं।

कुमार ने यह कदम पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों में राजग की शानदार जीत के कुछ महीनों बाद उठाया है।

भाकपा (माले) लिबरेशन विपक्षी महागठबंधन का हिस्सा है, जिसमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस शामिल हैं।

भट्टाचार्य ने दावा किया कि लोगों को लगता है कि यह एक तरह का तख्तापलट है, जिसे नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द जद(यू) के भीतर से लंबे समय से अंजाम दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''जाहिर है जद(यू) के भीतर भी वे देख सकते हैं कि कैसे भाजपा उनकी पार्टी को लगभग निगल रही है। इसलिए यह भाजपा का सत्ता का खेल है।''

मोदी को पहले प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी को ''पहले इस्तीफा देना चाहिए'', क्योंकि वे उन लोगों के वोट से प्रधानमंत्री बने थे, जिनके नाम निर्वाचन आयोग श्रेरा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कथित तौर पर ''मनमाने ढंग से हटाए जा रहे हैं।'' बनर्जी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को प्रधानमंत्री से इस्तीफा देने के लिए कहना चाहिए।

बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में मध्य कोलकाता में आयोजित धरने पर कहा, अगर मोदी 2024 में इस मतदाता सूची के आधार पर प्रधानमंत्री बन सकते हैं, तो इसमें शामिल लोगों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल क्यों नहीं करने दिया जाना चाहिए? बनर्जी ने सवाल किया कि राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस को पांच मार्च को अचानक इस्तीफा क्यों देना पड़ा और कहा, इसकी जांच होनी चाहिए; उनके कार्यकाल के अभी तीन साल बाकी थे। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने यह भी सवाल किया कि पश्चिम बंगाल के पूर्व में राज्यपाल रहे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पिछले साल जुलाई में अपने पद से इस्तीफा क्यों दिया था। उन्होंने कहा, क्या इस मामले की जांच होनी चाहिए?

ताडोबा में बाघों की वापसी की कहानी, जंगल में वन्य जीवन का रोमांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ताडोबा राष्ट्रीय उद्यान (महाराष्ट्र) /भाषा। एक समय था जब भारत में बाघों के विलुप्त होने की आशंका जताई जाने लगी थी। एक दशक पहले तक ताडोबा-अंधारी बाघ अभयारण्य की स्थिति भी कुछ ऐसी ही थी, जब यहां बाघों की संख्या सिमटकर महज 30 रह गई थी लेकिन संरक्षण के लगातार और सुनियोजित प्रयासों ने तस्वीर पूरी तरह बदल दी-आज इस अभयारण्य व आसपास के क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़कर करीब 200 हो गई है। ज्यादातर पर्यटक जहां ताडोबा में बाघों की एक झलक पाने की उम्मीद से आते हैं, वहीं यह अभयारण्य कई अन्य वन्य जीवों का भी घर है, जो सफारी पर आने वालों को उतना ही रोमांचित करते हैं। आइए नजर डालते हैं ताडोबा के प्रमुख और आकर्षक वन्य जीवों पर:

हिरण: हिरणों के परिवार में सांभर, चीतल और काकड़ शामिल हैं। नर हिरणों के सींग प्रजनन के मौसम में अपने पूरे आकार में आ जाते हैं और हर साल झड़ जाते हैं। ये सींग शाखाओं वाले हो सकते हैं और पूरी तरह हड्डी के बने होते हैं, लेकिन इनमें केराटिन नहीं होता। केराटिन वही पदार्थ है जो हमारे बालों और नाखूनों में पाया जाता है। जंगल में खतरे की आहट मिलते ही सांभर का व्यवहार देखने लायक होता है। यह घबराकर तुरंत भागता नहीं, बल्कि पहले आसपास की झाड़ियों में आड़ लेता है या खुले मैदान में जाकर ठिठककर चारों ओर नजर दौड़ाता हैमानो अदृश्य खतरे को भांपने की कोशिश कर रहा हो। सतर्क होते ही उसकी पूंछ तनकर ऊपर उठ जाती है। अगर उसे यकीन हो जाए कि खतरा सचमुच पास है, तो वह अपने अगले पैरों को जमीन पर जोर से पटकता है और चेतावनी भरी तेज 'आवाज' निकालता है। जंगल के जानकारों के लिए यह आवाज लगभग पक्की खबर होती है कि कहीं आसपास बाघ घूम रहा हैठीक वैसे ही जैसे चीतल की रंभाने जैसी आवाज भी बाघ की मौजूदगी का संकेत देती है। काकड़ जंगल का एक बेहद दिलचस्प और रहस्यमय जीव है। इसकी आवाज कुत्ते के भौंकने जैसी होती है और जब जंगल की खामोशी में इसकी भौंकने जैसी आवाज गूंजती है, तो आसपास के जानवर तुरंत सतर्क हो जाते हैं।

मृग: ताडोबा बाघ अभयारण्य के जंगलों में मृगों की दुनिया भी कम दिलचस्प नहीं है, जहां मुख्य रूप से नीलगाय और चौसिंगा जैसी प्रजातियां पाई जाती हैं। इन मृगों की सबसे खास पहचान उनके स्थायी सींग होते हैं जो हिरणों की तरह हर साल गिरते नहीं और न ही इनमें शाखाएं निकलती हैं। इसके बजाय इनके सींग कई बार अनोखा और विचित्र आकार ले लेते हैं, जो इन्हें जंगल में अलग पहचान देते हैं। ये सींग अंदर से हड्डी के बने होते हैं और केराटिन की परत से ढके रहते हैं।

भारतीय गौर: पहली नजर में अक्सर इसे भैंस समझ लिया जाता है, लेकिन सच यह है कि भारतीय गौर का उससे कोई सीधा संबंध नहीं है। यह करीब 1,000 किलोग्राम तक वजनी नर गौर बोवाइन परिवार का सबसे विशाल सदस्य माना जाता है। मादा और शावक, नर जितने गहरे रंग के नहीं होते, लेकिन एक पहचान सबमें समान होती हैपैरों पर सफेद मोजों जैसे निशान, जो दूर से ही उनकी पहचान बता देते हैं। गौरों का समाज भी बड़ा रोचक होता है। उनका झुंड एक अनुभवी मादा के नेतृत्व में चलता हैवही दिशा तय करती है और वही खतरे को भांपती है। नर गौर आमतौर पर दूर ही रहते हैं और केवल प्रजनन के मौसम में इस झुंड से जुड़ते हैं।

स्लॉथ भालू: जंगल की खामोशी में पेड़ों के तनों पर पड़े गहरे नाखूनों के निशान अक्सर एक खास मेहमान 'स्लॉथ भालू' की कहानी कहते हैं। यह भालू पसंदीदा शहद की तलाश में फुर्ती से पेड़ों पर चढ़ जाता है और पीछे छोड़ जाता है अपने पंजों के तीखे निशान।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें : राष्ट्र सेविका समिति प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांता कुमारी ने रविवार को कहा कि परिवारों में पारंपरिक मूल्य प्रणालियों का क्षरण और कानूनी कार्रवाई में देरी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लगातार बनी चिंताओं के प्रमुख कारणों में से हैं।साक्षात्कार में कुमारी ने कहा कि पहले बच्चों को संस्कार प्रदान करने में परिवार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था, लेकिन समय के साथ यह संस्था कमजोर हो गई है। उन्होंने जोर दिया कि लड़कों व लड़कियों, दोनों को घर में कम उम्र से ही मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए, विशेष रूप से महिलाओं का सम्मान करने के बारे में।

कुमारी ने कहा, लड़कों को सिखाया जाना चाहिए कि वे लड़कियों के साथ उसी तरह सम्मानपूर्वक व्यवहार करें, जैसे वे अपनी बहनों या माताओं के साथ करते हैं। पहले यह घर पर सिखाया जाता था, लेकिन अब हम इसे उपयुक्त रूप से होते नहीं देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मूल्यों को स्कूलों में और समाज में व्यापक जागरूकता के माध्यम से भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए ताकि महिलाओं के प्रति सम्मान बचपन से ही बच्चों में समाहित हो जाए। वर्ष 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति, पुरुषों के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समानांतर एक महिला संगठन के रूप में कार्य करती है।

जद(यू) में शामिल हुए नीतीश के बेटे निशांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार रविवार को जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि वह पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

इंजीनियरिंग में स्नातक निशांत को पार्टी मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा समेत प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में जद(यू) में शामिल किया गया।

पार्टी में शामिल होने के बाद निशांत ने कहा, मेरे पिता ने राज्यसभा सदस्य बनने का फैसला लिया, यह उनका व्यक्तिगत निर्णय था। हम सभी इसका सम्मान करते हैं। हम उनके मार्गदर्शन में काम करते रहेंगे। मैं संगठन को मजबूत करने के लिए काम करूंगा।''

निशांत ने दावा किया कि बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे उनके पिता नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्ष में राज्य के लिए बहुत कुछ किया। उन्होंने कहा, ''राज्य की जनता कभी उनके (नीतीश) श्रेरा राज्य के विकास में किए गए योगदान को नहीं भूलेगी।''

निशांत ने कहा, ''मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। आप सभी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। मेरे पिता ने पिछले 20 वर्षों में जो योगदान दिया है उस पर देश, हमारे राज्य और मुझे गर्व है। मैं मुख्यमंत्री श्रेरा किए गए विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाऊंगा।''

महिलाओं के गरिमापूर्ण और सुरक्षित जीवन के बिना समाज नहीं कर सकता प्रगति : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यदि महिलाएं गरिमा और सुरक्षा के साथ जीवन यापन नहीं करती हैं तो समाज प्रगति नहीं कर सकता। बनर्जी ने पोस्ट में अपनी सरकार श्रेरा महिलाओं के लिए शुरू की गई कई कल्याणकारी पहलों का उल्लेख भी किया, जिसमें कहा गया कि 'लक्ष्मीर भंडार' योजना में अब 2.41 करोड़ महिला लाभार्थी हैं। इस योजना के तहत मासिक भत्ता 500 रुपए बढ़ा दिया गया है, जिसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति परिवारों की महिलाओं को अब प्रति माह 1,700 रुपए जबकि अन्य को 1,500 रुपए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य साथी स्वास्थ्य योजना के तहत लगभग 2.42 करोड़ महिलाओं को स्मार्ट कार्ड प्राप्त हुए हैं, जो परिवार की महिला सदस्य के नाम पर जारी किए गए हैं। बनर्जी ने कन्याश्री योजना का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग एक करोड़ छात्राएं इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं और संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने के बाद इस कार्यक्रम को वैश्विक मान्यता मिली है। बनर्जी ने इस बात पर बल दिया कि महिलाएं समाज का गौरव हैं, और साथ ही कहा कि हर दिन को महिला दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।

असम में 3.25 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त, पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के कछार जिले में शनिवार को पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 3.25 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने यह जानकारी दी। यह बरामदगी दो वाहनों से की गई। सीएमओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए कछार पुलिस ने सिलचर-कालाइन मार्ग पर दो वाहनों को रोका। सीएमओ ने बताया कि जब्त की गई 538 ग्राम हेरोइन की कीमत 3.25 करोड़ रुपए है। कार्यालय ने कहा, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने टीम की व्यवस्थित और कुशल कार्रवाई की सराहना की है तथा कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ असम की लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक हमारा राज्य पूरी तरह से नशामुक्त नहीं हो जाता।''

टीम के जुझारू प्रदर्शन से खुश हूं : मुख्य कोच अमोल मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पर्थ/भाषा। भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों गुलाबी गेंद के टेस्ट में मिली हार के बावजूद टीम की तारीफ करते हुए कहा कि उनके खिलाड़ियों ने कठिन परिस्थितियों में भी जबर्दस्त जुझारूपन दिखाया ।

भारत को एकमात्र टेस्ट में तीन दिन के भीतर दस विकेट से पराजय झेलनी पड़ी । जेमिमा रौड्रिग्स और प्रतिका रावल ही अर्धशतक बना सके जबकि स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर गेंदबाजों की मददगार पिच पर कोई कमाल नहीं कर सकीं । मजूमदार ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' नतीजे से निराश हूं लेकिन पिछले तीन दिन में टीम का जुझारूपन देखकर खुश हूं । हालात कठिन थे लेकिन ऑस्ट्रेलिया को श्रेय देना होगा जिसने शानदार प्रदर्शन किया ।'' उन्होंने कहा ,'' प्रतिका ने दूसरी पारी में वाका पर अर्धशतक जड़कर अपनी दृढता का परिचय

दिया । क्रांति ने शानदार गेंदबाजी की और काशवी तथा सयाली ने पहली पारी में विकेट चटकाये । अपना पहला टेस्ट खेल रही इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा ।'' मजूमदार ने कहा कि टीम का व्यस्त कार्यक्रम चुनौतीपूर्ण था लेकिन उन्होंने कहा कि वह हार के लिए इसे बहाना नहीं बनाना चाहते । उन्होंने कहा ,''भारतीय महिला टीम श्रीलंका के खिलाफ पांच टी20 के बाद डब्ल्यूपीएल खेलकर ऑस्ट्रेलिया पहुंची । ऑस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला और वनडे श्रृंखला खेली । लेकिन यह कोई बहाना नहीं है ।'' उन्होंने कहा टेस्ट से पहले एक अभ्यास मैच होने से मदद मिलती ।

पॉप स्टार रिकी मार्टिन ने टी20 विश्व कप के समापन समारोह में धूम मचाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

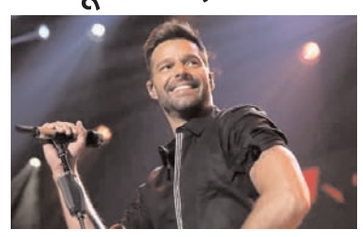

अहमदाबाद/भाषा। दुनिया भर में मशहूर पॉप आइकन और दो बार के ग्रैमी विजेता रिकी मार्टिन ने रविवार को यहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल से पहले आयोजित समापन समारोह में अपने हिट गाने 'लिविन ला विदा लोका' और 'द कप ऑफ लाइफ' से मंच पर धूम मचा दी।

मार्टिन के साथ भारतीय गायक सुखबीर और फाल्गुनी पाठक ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया।अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबले से पहले तीनों गायकों ने मिलकर संगीत का शानदार माहौल बनाया। 'प्रिंस ऑफ भांगड़ा' के नाम से मशहूर सुखबीर ने अपने डांस ट्रूप के साथ अपने लोकप्रिय पंजाबी गीत 'ओ हो हो हो - ओ हो हो हो' सहित कई हिट गाने प्रस्तुत किए। वहीं 'डांडिया क्वीन' के नाम से मशहूर फाल्गुनी पाठक ने लगभग 50 डांसरों के साथ गुजराती लोकगीतों और बॉलीवुड गीतों से कार्यक्रम की शुरुआत की। लैटिनो गायक-गीतकार मार्टिन ने अपनी प्रस्तुति का समापन अपने सबसे बड़े हिट गाने 'मारिया' और 'ला कोपा डि ला विदा' के साथ किया। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद दर्शक इन प्रस्तुतियों से झूम उठे।

सुविचार

रिश्ते धागे की तरह होते हैं, जो जोर से खींचने पर टूट जाते हैं और ढीले छोड़ने पर उलझ जाते हैं। संतुलन ही रिश्तों की जान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह चुनौती स्वीकार करें

जब से इजराइल-अमेरिका का ईरान से युद्ध शुरू हुआ है, भारत में कुछ लोग अति-उत्साहित होकर टिप्पणियां कर रहे हैं। वे खामेनेई की मौत पर भावुक हैं और शोक प्रकट कर रहे हैं। उन्हें इसका पूरा अधिकार है, बशर्ते भारत की शांति में कोई खलल न पड़े। विपक्षी दल जनभावनाओं को उकसाते हुए पूछ रहे हैं- 'भारत क्यों खामोश है ... भारत कोई कदम क्यों नहीं उठा रहा है?' ध्यान रखें, यह युद्ध है, कोई वीडियो गेम नहीं है। भारत खामोश नहीं है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ईरानी दूतावास का दौरा कर खामेनेई की मौत पर शोक व्यक्त किया है। जहां तक 'कोई कदम' उठाने का सवाल है तो उसे स्पष्ट करने की जरूरत है। क्या विपक्षी दल और जनता का एक वर्ग यह चाहते हैं कि भारत को इस युद्ध में कूद जाना चाहिए? क्यों कूदे भारत? जो देश लड़ रहे हैं, उनकी दशकों पुरानी दुश्मनी है। वे एक-दूसरे पर अशांति और आतंकवाद फैलाने के गंभीर आरोप लगाते हैं। दोनों तरफ ही आरोपों की सूची बहुत लंबी है। हालांकि इन देशों के साथ भारत के संबंध अच्छे हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि किसी एक का हिमायती बनकर अखाड़े में कूद पड़ें। क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ईरान ने हमारे साथ मिलकर पाकिस्तान पर धावा बोला था? क्या अमेरिका ने भारत का सहयोग किया था? क्या इजराइल ने कोई सैन्य टुकड़ी भेजी थी? इन सबका जवाब है- नहीं। भारत अपनी सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। उक्त तीनों देश भी ऐसा ही दावा बार-बार दोहरा चुके हैं। जब कोई देश मदद मांग नहीं रहा है तो हमें 'मान न मान, मैं तेरा मेहमान' बनने की क्या जरूरत है? युद्धकाल में किसी एक पक्ष की मदद करने का मतलब होता है- दूसरे पक्ष से दुश्मनी मोल लेना। क्या ऐसा करना भारत के हित में होगा? क्या विपक्षी दल यह चाहते हैं कि भारत इस युद्ध में शामिल हो, जिसके बाद उन्हें सरकार को कोसने का मौका मिले?

यहां भारत से आशय है- 140 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या। इतने लोगों की सुरक्षा करना, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना कोई मामूली बात नहीं है। भारत सरकार पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। विदेश नीति कोई स्कूल की यारी-दोस्ती नहीं होती, जिसमें कुछ लड़के एक-दूसरे के लिए जान की बाजी लगा देने की कसमें खाते हैं। जिम्मेदार सरकारों को कई चीजें देखकर चलना और बोलना होता है। वर्तमान परिस्थितियों में यह सुनिश्चित करना ही भारत सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि ईरान और उसके आस-पास स्थित देशों में भारतीय नागरिक सुरक्षित हों और अपने देश में ईंधन की कोई कमी न हो। गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई है। आश्चर्यजनक रूप से, जो विपक्षी दल पहले यह मांग कर रहे थे कि भारत को इजराइल-अमेरिका के खिलाफ कदम उठाना चाहिए, अब वे हंगामा खड़ा कर रहे हैं कि सरकार ने महंगाई बढ़ा दी। सोचिए, जब भारत इस युद्ध से दूर है, तब इसका आर्थिक भार महसूस हो रहा है, अगर देश खुलकर किसी का पक्ष लेता तो यह भार कितना होता? महंगाई बहुत बढ़ जाती। फिर मुफ्त राशन, मुफ्त चिकित्सा, शिक्षा, आर्थिक सहायता जैसी योजनाएं भूल जाएं! आज जो लोग कोरी भावुकतापूर्ण बातें कर केंद्र सरकार को आड़े हाथों ले रहे हैं, उस स्थिति में वे ही यह कहते हुए कड़ी आलोचना करते कि 'महंगाई ने कमर तोड़ दी, सरकार को पराई पंचायती में हीरो बनने की क्या जरूरत थी?' इस युद्ध से उपजे हालात से सबक लेते हुए भारत सरकार को एक काम जरूर करना चाहिए। हमारे देश के पास पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस का कोई उचित विकल्प होना चाहिए। अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भरता में भारी जोखिम है। भारत को इस क्षेत्र में पूर्णत: आत्मनिर्भर बनना होगा। इस चुनौती को स्वीकार करना ही होगा। भारत के पास प्रतिभाशाली वैज्ञानिक हैं। अगर वे ठान लें तो ऐसा करके दिखा सकते हैं। इस समय केंद्र सरकार को अडिग रहना चाहिए। विपक्षी दलों और जनता को भी सरकार का साथ देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

जैसलमेर प्रवास के दौरान आईएएस अधिकारी श्री देशलदान रतनू के पिता श्री कुशलदान रतनू की शोक सभा में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं भोजराजपुरम रामगढ़ में पूज्य ठा. सोढसिंह पुत्र स्व. पूंजराज सिंह सोलंकी के परिजनों का ढाढ़स बँधाया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

एयरपोर्ट निर्माण के साथ क्षेत्र में नए उद्योगों की स्थापना को भी गति मिल रही है। कोटा-बून्दी एग्रो बेस्ड इंडस्ट्री का केन्द्र बनने की ओर अग्रसर है। ट्रिपल आईटी के विस्तार के साथ कोटा एक महत्वपूर्ण आईटी हब के रूप में भी उभरेगा।

-ओम बिरला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी मातृशक्ति एवं नारी शक्ति को हार्दिक शुभकामनाएं! नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति की प्रेरणाशक्ति भी है। महिलाओं ने हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूकर देश को गौरवान्वित किया है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

सत्य की ताकत

यात्रियों का एक काफिला रेगिस्तान से गुजर रहा था। अचानक लुटेरों के गिरोह ने घेर लिया। प्रत्येक यात्री की तलाशी लेकर रुपये तथा अन्य सामान छीन लिया गया। एक बारह वर्षीय लड़के के पास से कुछ नहीं मिला। लुटेरों के सरदार ने पूछा, 'तेरे पास से कुछ नहीं मिला, क्या तू अनाथ तो नहीं है?' किशोर ने जवाब दिया, 'मैं अपनी बीमार बहन की खिदमत करने जा रहा हूं। मेरी मां ने सोने की पांच अशर्फियां मेरे लंगोट में छिपा दी थीं, जो मेरे पास हैं।' लुटेरों के सरदार ने उससे पूछा, 'जब मां ने अशर्फियां छिपाकर रख दी थीं तो तूने हमें क्यों बताया कि अशर्फियां छिपा रखी हैं।' किशोर ने बताया, 'मां ने यह भी प्रेरणा दी थी कि जीवन में कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। आपने पूछा तो मैं झूठ कैसे बोलता?' बालक की सत्यनिष्ठा ने डाकू सरदार का हृदय बदल दिया। उसने तमाम यात्रियों से लूटा हुआ सामान वापस कर दिया। सरदार ने कहा, 'बेटा मैं भी आज से सत्य का पालन करने का संकल्प लेता हूं। अब लूटपाट नहीं करूंगा।' यह सत्यनिष्ठ बालक आगे चलकर 'खलीफा अमीन' के नाम से विख्यात हुआ।

सामयिक

भारतीय राजनीति के इस दौर में, जहां परिवारवाद एक बड़ी समस्या है, नीतीश कुमार का इस मामले में अडिग रहना उन्हें सम्मान दिलाता है। लेकिन यही संयम उन्हें कभी-कभी 'अहंकारी' या 'संपर्कविहीन' नेता के रूप में भी चित्रित कर देता है। उनके बारे में प्रसिद्ध है कि वे एक बार जो तय कर लेते हैं, फिर किसी की नहीं सुनते। यह दृढ़ता ही थी जिसने बिहार में कानून का राज स्थापित किया, लेकिन यही जिद आज उनकी पार्टी के भीतर असंतोष का कारण भी बनती है। अंत में, नीतीश कुमार होना एक निरंतर द्वंद्व में जीने जैसा है।

नीतीश कुमार को समझ पाना आसान नहीं

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारतीय राजनीति के फलक पर नीतीश कुमार एक ऐसी पहेली हैं, जिसे सुलझाने का दावा हर कोई करता है, लेकिन पूरी तरह कोई समझ नहीं पाता। एक ऐसा नेता, जिसके पास लालू प्रसाद यादव जैसा नैसर्गिक करिश्मा नहीं है, न ही उनके पास भाजपा जैसा विशाल सांगठनिक ढांचा है, फिर भी वह साल-दर-साल बिहार की सत्ता की धुरी बने हुए हैं। यह राजनीतिक उत्तरजीविता का ऐसा उदाहरण है, जो राजनीति विज्ञान के छात्रों के लिए किसी शोध से कम नहीं। नीतीश कुमार के व्यक्तित्व को समझने के लिए हमें उस दौर में पीछे जाना होगा, जब बिहार 'जंगलराज' के तमगे से जूझ रहा था। 2005 में जब उन्होंने सत्ता संभाली, तो उनके सामने एक ऐसा राज्य था जिसकी सड़कें गायब थीं, जहां शाम ढलते ही लोग घरों में दुबक जाते थे और जहां विकास की परिभाषा केवल सरकारी विज्ञापनों तक सीमित थी। उस समय नीतीश कुमार ने 'सुशासन बाबू' की जो छवि गढ़ी, वह रातों-रात नहीं बनी थी। उसके पीछे दशकों का संघर्ष और समाजवाद की वह विचारधारा थी, जिसे उन्होंने राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण से सीखा था। नीतीश कुमार होना इसलिए कठिन है क्योंकि उन्हें हर कदम पर एक संतुलन साधना पड़ता है एक तरफ अपनी समाजवादी साख बचाए रखने की चुनौती और दूसरी तरफ सत्ता के समीकरणों को साधने की मजबूरी।

उनकी राजनीति का सबसे दिलचस्प और विवादित पहलू उनका पाला बदलना रहा है। आलोचक उन्हें 'पलटू राम' कहते हैं, लेकिन अगर इसे गहराई से देखें, तो यह एक ऐसे नेता की छटपटाहट भी हो सकती है जो अपने एजेंडे को लागू करने के लिए किसी भी हद तक समझौता करने को तैयार है। क्या यह सत्ता का लालच है या बिहार के विकास की मजबूरी? इस पर बहस अंतहीन हो सकती है, लेकिन एक सच यह भी है कि नीतीश कुमार ने कभी भी अपनी व्यक्तिगत ईमानदारी और छवि पर दाग नहीं लगने दिया। भारतीय राजनीति में जहां भ्रष्टाचार एक सामान्य शिष्टाचार बन गया हो, वहां एक मुख्यमंत्री का बेदाग बने रहना वाकई आसान नहीं है। उनकी ताकत उनके वोट बैंक में नहीं, बल्कि उनकी कार्यशैली में रही है। उन्होंने बिहार में एक नया वर्ग तैयार किया 'मौन मतदाता'। इसमें महिलाएं और अति पिछड़े वर्ग शामिल हैं। जब नीतीश ने लड़कियों को साइकिल दी, तो वह केवल एक वाहन नहीं था, वह बिहार की आधी आबादी के लिए आजादी का परवाना था। सड़क पर साइकिल चलाती उन लड़कियों ने बिहार के सामाजिक ढांचे को बदल दिया। नीतीश कुमार को पता था कि अगर उन्हें बड़े जनाधार वाले नेताओं से लड़ना है, तो उन्हें समाज के उन हिस्सों तक पहुंचना होगा जिन्हें अब तक राजनीति में केवल 'नंबर' समझा जाता था।

नीतीश कुमार का शासन मॉडल अक्सर नौकरशाही पर बहुत अधिक निर्भर रहा है। उनके बारे में कहा जाता है कि वे राजनेताओं से ज्यादा अफसरों पर भरोसा करते हैं। यह उनकी ताकत भी रही और कमजोरी भी। ताकत इसलिए क्योंकि इसने योजनाओं को धरातल पर उतारने में मदद की, और कमजोरी इसलिए क्योंकि इसने उन्हें अपनी ही पार्टी के नेताओं से दूर कर दिया। एक अकेला नेता जो अपनी शर्तों पर सरकार चलाना चाहता है, उसके लिए गठबंधन की राजनीति किसी जलती हुई मोमबत्ती को दोनों सिरों से पकड़ने जैसा है। कभी भाजपा का हिंदुत्व, तो कभी राजद का 'माय' समीकरण इन दो पाटों के बीच अपनी 'धर्मनिरपेक्ष' और 'विकासवादी' छवि को बचाए रखना किसी बाजीगर का ही काम हो सकता है। नीतीश कुमार ने बिहार को बिजली दी, सड़कें दीं और शराबबंदी जैसा साहसी (भले ही विवादास्पद) फैसला लिया। शराबबंदी के पीछे का तर्क विशुद्ध रूप से सामाजिक था, जो उनके महिला वोट बैंक को मजबूती देता था। हालांकि, इसके क्रियान्वयन में हुई विफलताओं ने उनकी प्रशासनिक साख पर सवाल भी उठाए, लेकिन नीतीश अपनी जिद पर अड़े रहे। यह जिद ही उन्हें खास बनाती है और यही उनके लिए मुश्किलें भी खड़ी करती है।

नीतीश कुमार के राजनीतिक सफर का एक और पहलू उनकी 'तन्हाई' है। वे एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनके पास अपनी पार्टी जेडीयू के भीतर भी कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं है। वे एक ऐसे बरगद के पेड़ की तरह हैं जिसकी छाया तो बहुत है, लेकिन उसके नीचे दूसरा कोई पौधा नहीं पनप पाया। यह स्थिति एक नेता के लिए असुरक्षा का कारण भी बन सकती है और उसकी अपरिहार्यता का प्रमाण भी। आज के दौर में जब राजनीति सोशल मीडिया के शोर और इवेंट मैनेजमेंट से चलती है, नीतीश कुमार अभी भी पुराने ढर्रे की उस गंभीर राजनीति में विश्वास रखते हैं जहां फाइलों का अध्ययन और आंकड़ों की बाजीगरी प्राथमिक होती है। वे एक 'मैकेनिकल इंजीनियर' हैं और उनकी राजनीति में भी वही इंजीनियरिंग साफ दिखती है। वे जानते हैं कि किस पुर्जे को कब और कहां फिट करना है ताकि सत्ता की मशीन चलती रहे। लेकिन इस मशीन को चलाने की कीमत उन्हें अपनी साख की अस्थिरता से चुकानी पड़ी है। जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता का ग्राफ कभी ऊपर तो कभी नीचे जाता रहा है, फिर भी वे प्रासंगिक बने रहे।

नीतीश कुमार होना इसलिए भी मुश्किल है क्योंकि उनके ऊपर हमेशा एक 'बड़े भाई' की छाया रही है। कभी वह छाया लालू प्रसाद यादव की थी, तो कभी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की। इस छाया से बाहर निकलकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना कि बिहार की बागडोर उन्हीं के हाथ में रहे, एक निरंतर चलने वाला युद्ध है। उन्होंने बिहार को उस हीन भावना से बाहर निकाला जो 90 के दशक के अंत में घर कर गई थी। उन्होंने 'बिहार गौरव' की बात की, प्रवासी बिहारियों को वापस आने का न्योता दिया और राज्य के बजट को कई गुना बढ़ाया। लेकिन इन सबके बावजूद, पलायन और बेरोजगारी जैसे राक्षसों को वे पूरी तरह काबू नहीं कर पाए। यह उनकी राजनीति की एक दुखद विडंबना है कि जिस राज्य को उन्होंने विकास की पटरी पर दौड़ाने की कोशिश की, वहां का युवा आज भी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों की ओर देखने को मजबूर है। एक मुख्यमंत्री के रूप में इस विफलता का बोझ ढोना और फिर भी यह कहना कि सब ठीक है, वाकई आसान नहीं है।

अक्सर यह सवाल उठता है कि नीतीश कुमार का अंतिम लक्ष्य क्या है? क्या वे प्रधानमंत्री बनना चाहते थे? या वे केवल बिहार के इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज कराना चाहते हैं? उनकी महत्वाकांक्षाएं हमेशा उनके चेहरे की झुर्रियों और उनकी नपी-तुली बातों के पीछे छिपी रहती हैं। वे एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने पत्ते तभी खोलते हैं जब सामने वाला अपनी चाल चल चुका होता है। नीतीश कुमार के व्यक्तित्व का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा उनका व्यक्तिगत संयम है। वे चकाचौंध से दूर रहते हैं, उनका परिवार राजनीति से कोसों दूर है और वे अपनी निजी जिंदगी को बहुत गोपनीय रखते हैं। भारतीय राजनीति के इस दौर में, जहां परिवारवाद एक बड़ी समस्या है, नीतीश कुमार का इस मामले में अडिग रहना उन्हें सम्मान दिलाता है। लेकिन यही संयम उन्हें कभी-कभी 'अहंकारी' या 'संपर्कविहीन' नेता के रूप में भी चित्रित कर देता है। उनके बारे में प्रसिद्ध है कि वे एक बार जो तय कर लेते हैं, फिर किसी की नहीं सुनते। यह दृढ़ता ही थी जिसने बिहार में कानून का राज स्थापित किया, लेकिन यही जिद आज उनकी पार्टी के भीतर असंतोष का कारण भी बनती है। अंत में, नीतीश कुमार होना एक निरंतर द्वंद्व में जीने जैसा है। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो आधुनिक बिहार का निर्माता कहलाना चाहता है, लेकिन जिसे अपनी कुर्सी बचाने के लिए बार-बार उन सिद्धांतों से समझौता करना पड़ता है जिन्हें उसने कभी पवित्र माना था। वे एक ऐसे नायक हैं जिनके चरित्र में शेड्स ऑफ ग्रे अधिक हैं।

न तो वे पूरी तरह 'सफेद' आदर्शवादी हैं और न ही पूरी तरह 'काले' अवसरवादी। वे समय की मांग के अनुसार रंग बदलने वाले एक कुशल राजनेता हैं, जो जानते हैं कि राजनीति संभावनाओं का खेल है। बिहार के इतिहास में नीतीश कुमार का मूल्यांकन केवल उनके पाला बदलने के आधार पर नहीं होगा, बल्कि उस बदलाव के आधार पर होगा जो उन्होंने एक आम बिहारी के जीवन में लाने की कोशिश की। उनके विरोधी चाहे जो कहें, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि उन्होंने बिहार को एक 'पहचान' दी है। एक ऐसी पहचान, जो अराजकता से दूर और प्रगति की ओर अग्रसर है। 2026 के इस दौर में भी, जब राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है, नीतीश कुमार का प्रासंगिक बने रहना यह साबित करता है कि वे सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति का एक अनिवार्य अध्याय हैं। और सच यही है कि उस अध्याय को लिखना या उसे जी पाना, वाकई हर किसी के बस की बात नहीं है। नीतीश कुमार होना, दरअसल, अपनी ही छाया से लड़ते हुए सत्ता के शिखर पर बने रहने की एक अंतहीन साधना है।

नजरिया

तेल संकट की आहट : महंगाई की मार से लोग भयभीत

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध ने महंगाई की मार से देशवासियों को डरा दिया है। आम लोगों को महंगाई का जबरिया झटका लगा है। घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत में भी 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी का न केवल गैस अपितु अन्य वस्तुओं पर भी असर पड़ेगा। हम यह भी कह सकते है कि तेल संकट की आहट चहुंओर सुनाई देने लगी है, हालाँकि सरकार ने इससे इंकार किया है मगर लोगों को इस पर भरोसा नहीं है। युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। इसी का असर एलपीजी की कीमतों पर पड़ा है। गैस कंपनियों ने लागत बढ़ने का हवाला देते हुए कीमतों में संशोधन किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल में वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेजी मध्य पूर्व में सैन्य तनाव के बढ़ने के बाद आई है। इस संघर्ष ने ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया है और वैश्विक तेल व गैस मार्गों में आपूर्ति स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ाई हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें ट्रेडिंग के दौरान 94.51 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को छू गईं है, इसके और बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस 'जंग' ने अब समुद्र में कोहराम मचा दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में आया यह उछाल पिछले 30 महीनों यानी ढाई साल का सबसे उच्चतम स्तर है। इससे

पहले 18 सितंबर 2023 को तेल की कीमतें इस स्तर के आसपास देखी गई थीं। 94.51 डॉलर का उच्चतम स्तर छूने के बाद कीमतें कुछ हद तक नीचे आईं। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (झझ-उ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत 5 मार्च 2026 को 93.41 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। कच्चे तेल की कीमतों में प्रति डॉलर की बढ़ोतरी भारत के आयात बिल को हजारों करोड़ रुपये बढ़ा देती है। कीमतों में आया यह 35 प्रतिशत का उछाल भारत के व्यापार घाटे और विदेशी मुद्रा भंडार पर सीधा प्रहार कर रहा है। उधर अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए एक माह की छूट दी है। हालांकि भारत सरकार ने बताया है कि अभी भारत के पास कच्चे तेल का स्टॉक है, इसलिए फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है।

ऊपर वाली स्थिति में भी सरकार के पास दो रास्ते होंगे. या तो वह एक्साइज ड्यूटी घटाकर जनता को राहत दे, या फिर कीमतों को बाजार के हवाले छोड़ दे। हालांकि, युद्ध की अनिश्चितता को देखते हुए सरकार अभी 'वेट एंड वॉच' की स्थिति में है। यह स्थिति कब तक रहेगी कोई बताने वाला नहीं है। बताया जाता है होर्मुज स्ट्रेट, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा क्रूड ऑयल गुजरता है, वहां करीब 700 से ज्यादा तेल टैंकर फंसे हुए हैं। हालात ऐसे हैं कि तेल की सप्लाई लगभग रुक गई है।

एक वैश्विक रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध जारी रहा तो कच्चे तेल के आयात के बगैर अमेरिका 200 दिन ही टिक सकता है, वहीं, साउथ कोरिया के पास 214 दिन तक रिजर्व है। इसी भांति जर्मनी के पास 130, फ्रांस के पास 122, यूके के पास 120, न्यूजीलैंड के पास 95, तुर्किए के पास 94, भारत के पास 74 और ऑस्ट्रेलिया के पास 47 दिन तक का कच्चा तेल है।

इसका साफ़ मतलब है, ईरान में अगर लगभग दो-ढाई महीने तक जंग चलती है और कच्चा तेल नहीं मिलता है तो भी भारत पर बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। दूसरी तरफ पाकिस्तान जैसे देश में तेल के लिए हाहाकारी मची है। वहां तेल की राशनिंग की ख़बरें भी मिल रही है। यह दावा भी किया जा रहा है, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते युद्ध और मिडिल ईस्ट में तनाव का असर केवल तेल और गैस बाजार तक सीमित नहीं रह सकता। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो फर्टिलाइजर सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ सकता है। होर्मुज स्ट्रेट से दुनिया के बड़े हिस्से का फर्टिलाइजर गुजरता है, ऐसे में किसी भी रुकावट से यूरिया, अमोनिया और अन्य फर्टिलाइजर की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। इसका असर वैश्विक खाद्य उत्पादन और कीमतों पर पड़ने की आशंका है। आने वाले समय में गेहूं, चावल और अन्य खाद्य पदार्थ महंगे हो सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

विरोध रैली

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने टीएमसी की महिला नेताओं और मंत्रियों के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध रैली निकाली।

'अच्छी देखभाल' के साथ मरने की भी कीमत होती है, पर हर व्यक्ति इसे वहन नहीं कर सकता

सिडनी/दक्षिण भारत । हर व्यक्ति चाहता है कि उसके जीवन के अंतिम दिन शांति, सुकून और अच्छी देखभाल के साथ गुजरें। लेकिन जीवन के अंतिम चरण में पहुंच चुके लोगों पर किये गये शोध से पता चलता है कि बहुत से लोगों के साथ वास्तव में ऐसा नहीं हो पाता। इसके विपरीत, असल में स्थिति यह है कि किसी व्यक्ति को जीवन के अंतिम समय में सम्मानजनक और शांतिपूर्ण देखभाल मिल पाएगी या नहीं, यह काफी हद तक उसकी आर्थिक स्थिति पर निर्भर होता जा रहा है।

हमारे हाल के एक अध्ययन में, हमने एक देखभाल केंद्र में जीवन के अंतिम चरण में पहुंच चुके 18 लोगों के साक्षात्कार लिए। इसके अलावा छह परिवार के सदस्यों और देखभाल करने वालों के तथा 20 देखभाल करने वाले पेशेवरों का साक्षात्कार लिया। हमने उनसे पूछा कि जीवन के अंतिम पड़ाव पर किसी की देखभाल करना कैसा होता है। 'पैलिएटिव केयर' उन लोगों के लिए है, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, जिन्हें कोई ऐसी बीमारी है जिसका कोई इलाज संभव नहीं है। इसका मतलब है कि उनके ठीक होने की संभावना बहुत कम या न के बराबर है। इसलिए, इसका उद्देश्य जीवन के अंतिम समय में उन्हें आराम और बेहतर जीवन प्रदान करना है। ऑस्ट्रेलिया में, 'पैलिएटिव केयर' मुख्य रूप से निःशुल्क प्रदान की जाती है, जिसका ज्यादातर खर्च राज्य और संघीय सरकारों के साथ-साथ निजी स्वास्थ्य बीमा द्वारा वहन किया जाता है।

लेकिन हमारे शोध से पता चलता है कि सार्वजनिक और निजी वित्तपोषण की अव्यवस्थित व्यवस्था के कारण कई लोग इस आवश्यक देखभाल के लिए भुगतान कैसे करें, इस बारे में भ्रमित और परेशान हैं। यह देखभाल घर पर या अस्पताल में, धर्मशाला में या आवासीय वृद्धाश्रम में प्रदान की जा सकती है। देखभाल का खर्च कौन वहन करेगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह कहां प्रदान की जा रही है (उदाहरण के लिए, निजी या सार्वजनिक अस्पताल में) और क्या रोगी के पास निजी स्वास्थ्य बीमा है। पिछले शोधों में यह पता लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया में देखभाल के लिए धन कैसे जुटाया जाता है। लेकिन अब तक हमें मरीजों, देखभाल करने वालों और कर्मचारियों से सीधे तौर पर यह जानकारी नहीं मिली है कि यह उन्हें कैसे प्रभावित करता है।

सुदर्शन पटनायक ने वेनिस प्रदर्शनी में रेत और रंगों से बनी अपनी चित्रकला का प्रदर्शन किया

लंदन। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त रेत कलाकार और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित सुदर्शन पटनायक 'कंटेंपररी वेनिस 2026' में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जहां वे अपनी मिश्रित-माध्यम वाली 'जुगलबंदी' पेंटिंग का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें कैनवास पर प्राकृतिक रेत को रंग के साथ मिलाया गया है। रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ओडिशा के रहने वाले पटनायक, इटली के वेनिस में स्थित ऐतिहासिक पलाज़ो अल्ब्रिज़ी-कैपेलो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय कलाकार हैं।

इस प्रदर्शनी में कलाकार अपनी 'जुगलबंदी' श्रृंखला प्रस्तुत कर रहे हैं, जो कलाकृतियों का एक ऐसा संग्रह है जिसमें कैनवास पर प्राकृतिक रेत को रंग के साथ मिलाया गया है, और यह पहली बार है जब वह इस पैमाने की एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में इन चित्रों का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये कृतियां प्रकृति, मानवीय भावनाओं, पर्यावरणीय संतुलन और मानवता तथा पृथ्वी के बीच सामंजस्य जैसे विषयों को दर्शाती हैं, जो रेत की मूर्तिकला से लेकर चित्रकला तक की पटनायक की कलात्मक यात्रा से प्रेरित हैं। पटनायक ने कहा, आज का दिन मेरे लिए बहुत खास है और एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा में एक मील का पत्थर है। चित्रकारी के मेरे बचपन के सपने भगवान जगन्नाथ के चरणों में शुरू हुए थे, और अब मेरा दिल खुशी से भर गया है क्योंकि मेरी 'जुगलबंदी' पेंटिंग इटली में 'कंटेंपररी वेनिस 2026' में प्रदर्शित की जा रही है।

ईरान संकट : पाकिस्तान में ईंधन खरीदने की होड़ में पेट्रोल पंप पर गोलीबारी, एक व्यक्ति की मौत

लाहौर/दक्षिण भारत। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण पाकिस्तान में ईंधन की कमी की आशंका से मची अफरा-तफरी के बीच पेट्रोल पंप पर विवाद में ग्राहकों द्वारा की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को लाहौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर सियालकोट में हुई, जब दस्का रोड पर एक पेट्रोल पंप पर ग्राहकों और कर्मचारियों के बीच कहासुनी हो गई। पुलिस के अनुसार, अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बाद तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। पुलिस के मुताबिक, एक कार से आए दो व्यक्तियों ने अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरवाया और फिर पेट्रोल पंप के कर्मचारी को अपने साथ लाए दो डिब्बों में पेट्रोल भरने को कहा।

पेट्रोल पंप कर्मचारी ने यह कहते हुए मना कर दिया कि सरकारी नीति के तहत डिब्बों में पेट्रोल भरना मना है।पुलिस अधिकारी दोस्त मोहम्मद ने कहा, ''इससे पेट्रोल पंप के कर्मचारियों और कार सवार लोगों के बीच कहासुनी हो गई।'' उन्होंने बताया कि कार सवार उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देकर वहां से चले गए।

सब-वे का उद्घाटन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय के बीच नवनिर्मित भूमिगत मार्ग के उद्घाटन के दौरान अधिकारियों से बातचीत की। इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे।

'छाप तिलक' दिल के करीब, खास है इसकी एनर्जी : मेधा शंकर

नई दिल्ली/एजेन्सी

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं कि अब सब 'छाप तिलक' सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा। अविनाश तिवारी ने कहा, फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। 'छाप तिलक' हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा। यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक 'छाप तिलक सब छीनी' पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदरा बना देता है।पैराडॉक्स ने कहा, मैं क्लासिक में कुछ नया लाना चाहता था। गाने की ग्रूवी एनर्जी त्योहारों के सीजन में खूब चलेगी।अमान नूर ने बताया, क्लासिक को नए अंदाज में पेश करते समय पुरानी भावना और नया टच दोनों जरूरी हैं। हमने यही किया है।रोमांटिक-कॉमेडी सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जी स्टूडियोज की फिल्म है।

'हर दिन आपका है,' अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कंगना रनौत ने शेयर किया महिलाओं के नाम संदेश

मुंबई/एजेन्सी

अपने बेबाक बयानों के लिए प्रसिद्ध मंडी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने देश की सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी है। अभिनेत्री का कहना है कि हर दिन महिलाओं का होता है और नारी महाशक्ति का स्वरूप है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सभी महिलाओं के नाम प्यारा संदेश लिखा। अभिनेत्री का कहना है कि महिलाओं के लिए अपनी शक्तियों को पहचानना बहुत जरूरी है और उनका सही उपयोग करना भी आना चाहिए। उन्होंने लिखा, हर दिन आपका दिन है। नारी होना एक महाशक्ति है। अपनी शक्तियों को पहचानें और समझें कि उनका उपयोग अपने लाभ के लिए कैसे करें, न कि कभी अपने ही विरुद्ध। उदार होने पर कभी पछतावा न करें, जो आप देते हैं वही आपको मिलता है, लेकिन यह शायद आपकी अपेक्षा के अनुसार न हो, इसलिए आगे बढ़ते रहें, मूर्ख बनने की चिंता न करें।

उन्होंने आगे लिखा, हमेशा आशा रखें कि आप कभी किसी को मूर्ख न बनाएं या लोगों या परिस्थितियों का लाभ न उठाएं। खुशी की कुंजी यह है कि आप अपना सब कुछ अपने काम, अपने परिवार, अपने दोस्तों को दें, लेकिन याद रखें कि जो आप चाहते हैं वह किसी के पास नहीं है; आप केवल कृतज्ञता चाहते हैं और केवल आप ही खुद को इससे भर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्हें चुनें जिन्होंने आपको चुना है। उठो और चमको, प्यार करो और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखो। महिला दिवस की शुभकामनाएं।

बता दें कि कंगना की गिनती बेबाक एक्ट्रेसेस में होती है, और उनकी फिल्में भी महिलाओं को प्रेरणा देने वाली होती हैं। एक्ट्रेस की 'क्वीन', 'तेजस', 'पंगा', 'तनु वेड्स मनु', 'मणिकर्णिका', और 'सिमरन' जैसी फिल्मों को खूब सराहा गया। ये सभी फिल्में महिलाओं के अलग रूप और शक्ति को दिखाती हैं। जहां 'क्वीन' में कंगना ने एक अकेली लेकिन सशक्त महिला का रोल प्ले किया, वहीं 'मणिकर्णिका' में वे तेज-तर्रार योद्धा के रूप में दिखीं।

नाना पाटेकर को गुरु मानती है कुब्रा सैत

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर ने मेहनत और अभिनय के दम पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। उन्होंने दशकों से फिल्मों के जरिए लोगों का मनोरंजन किया। वह पूरी लगन के साथ अपना किरदार निभाते हैं और यही वजह है कि सिनेमा में कई कलाकार उन्हें अपना गुरु मानते हैं। इनमें से एक हैं अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं। फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुबा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला।

नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं। कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। उनका ध्यान हर छोटी-छोटी बात पर रहता है। यही वजह है कि उनके साथ काम करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने वाला अनुभव साबित हुआ। सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

निरहुआ की 'फसल' यूट्यूब पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा अक्सर ग्रामीण मुद्दों से जुड़ी फिल्में लेकर आती रहती है। इसी कड़ी में अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ एक ऐसी ही फिल्म 'फसल' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म किसानों की जिंदगी, उनकी फसलों की मुश्किलों, बिचौलियों की लूट और समाज में उनकी अनदेखी को दिखाती है। शनिवार को मेकर्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि अब वे इसका वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर करने जा रहे हैं। उन्होंने फिल्म का क्लिप शेयर कर लिखा, फिल्म 'फसल' का डिजिटल प्रीमियर पहली बार यूट्यूब पर होगा।

यह प्रीमियर 8 मार्च को सुबह 6 बजे शुरू होगा। फिल्म में निरहुआ एक किसान के किरदार में नजर आएंगे, जो बिचौलियों और सिस्टम से जूझते दिखते हैं। आम्रपाली दुबे भी मजबूत भूमिका में हैं। निर्देशक पराग पाटिल ने इस फिल्म के जरिए सामाजिक मुद्दों को संवेदनशील तरीके से उठाया है।

हालांकि, फिल्म पहले टीवी और थिएटर पर प्रसारित की जा चुकी है और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आने से यह और ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। निरहुआ और आम्रपाली की जोड़ी को दर्शक बहुत पसंद करते हैं। यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन देगी, बल्कि किसानों के मुद्दों पर भी सोचने पर मजबूर करेगी।'फसल' के गीत अरविंद तिवारी, प्यारेलाल यादव, विमल बावरा और विजय चौहान ने लिखे हैं। फिल्म के गाने आलोक कुमार, कल्पना पटवारी, नीलकमल सिंह, प्रिया सिंह राजपूत, ममता राउत और शिल्पी राज जैसे मशहूर गायकों ने गाए हैं।श्रेयस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले इस फिल्म के निर्माता प्रेम राय हैं, जबकि सह-निर्माता सतीश आशवानी हैं। फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली पराग पाटिल ने किया है, जिन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है। संवाद लेखन का जिम्मा राकेश त्रिपाठी ने संभाला है। फिल्म की सिनेमेटोग्राफी साहिल जे. अंसारी ने की है।

एक्शन सीन को हीरा यादव ने डिजाइन किया है और कोरियोग्राफी संजय कोर्बे और कानू मुखर्जी ने की है। फिल्म में दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे के साथ छोटी सिंह, संजय पांडेय, अयाज खान, सुबोध सेठ, राकेश त्रिपाठी, यादवेंद्र यादव, जय सिंह, प्रीति सिंह, धर्मेंद्र तिवारी, डॉली, राणा सुजीत सिंह, दीपेंदर मिश्रा, शम्भू राणा, साहब लाल धारी, कृष्णा यादव, शिवेश तिवारी और कविता सिंह अहम भूमिका में नजर आएंगे।

तापसी पन्नू ने विद्या बालन को बताया अपना 'हीरो', कहा- उनकी फिल्मों से मिला कैरियर में टिके रहने का भरोसा

नई दिल्ली/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था। इस फिल्म की कहानी भारत के ऐतिहासिक मार्स ऑर्बिटर मिशन से प्रेरित थी और इसमें वैज्ञानिकों की उस टीम को दिखाया गया था, जिसने इस मिशन को सफल बनाया। फिल्म में तापसी और विद्या दोनों ने वैज्ञानिकों का किरदार निभाया था।

महिलाओं को स्वावलंबी बनकर समाज में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए : डॉ लक्ष्मी

तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर ने किया महिला दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान' के तहत तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर द्वारा एनजीओ मीट का आयोजन यशवंतपुर भवन में किया गया। अध्यक्ष रेखा पितलिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को केवल एक गृहणी के रूप में ही नहीं बल्कि सम्मान, अधिकार, आत्मविश्वास के साथ एक सशक्त व्यक्ति के रूप में अपने आप को स्थापित करना चाहिए। मंडल की राष्ट्रीय सहमंत्री मधु कटारिया ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित महिला दिवस की जानकारी दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्राइम ऑफिसर फॉर वुमेन प्रोटेक्शन की सदस्या डॉ लक्ष्मी श्रीहरि ने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनकर समाज में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए जिससे वह समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकती है।ङ्कपैनल चर्चा के माध्यम से पारिवारिक, प्रशासनिक एवं सामाजिक स्तर पर महिलाओं की भूमिका पर विचार एवं संवाद हुआ। भारतीय जैन संगठन की एसपी मालिनी ने परिवार में गृहणी के समान अधिकार व सम्मान के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रयास ग्रुप की किरण नागोरी ने सरकार द्वारा महिलाओं के लिए बनाई गई योजनाओं की जानकारी दी। अन्य वक्ताओं ने महिलाओं को डिजिटल ज्ञान को बढाने, वित्तीय योजना, बीमा निवेश के बारे में बताया। आर्थिक सबलता, सही निवेश एवं पेंशन योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। संयोजिका मीना जैन व सह संयोजिका संगीता बाबेल ने जिज्ञासा समाधान सत्र का संचालन किया। यशवंतपुर क्षेत्र की वसंता बाबेल, संतोष आच्छा, संगीता बरड़िया को अध्यक्ष रेखा पितलिया, डॉ लक्ष्मी, नीतू बाबेल,प्रीति मुथा ने 'प्रेरणा सम्मान' प्रदान कर सम्मानित किया। मंत्री टीना पितलिया ने सम्मान पत्रों का वाचन किया। आयोजन में 15 एनजीओ के प्रतिनिधियों व अतिथियों का सम्मान किया गया। इस आयोजन में मंडल व कन्या मंडल की अनेक सदस्याओं का सहयोग रहा।

विजयनगर में एनजीओ व विशिष्ट महिलाओं का किया गया सम्मान

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा शनिवार को विजयनगर में महिला दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्ष महिमा पटावरी ने प्रेरणा सम्मान से सम्मानित तीन परिवारों एवं 9 एनजीओ से समागत सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य व श्रीउत्सव की जानकारी दी। मुख्य वक्ता व अतिथि के रूप में उपस्थित मंडल की पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री वीणा बैद ने भक्तामर के पद्य द्वारा स्त्री के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नारी के हर रूप को पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सरकारी स्तर पर प्रस्तुत करते हुए कहा कि नारी के हर रूप में जैनत्व का गुण बना रहे यह प्रयास होना चाहिए। केयर केयर, जय जैन गीत मंडल, लब्धि छाया सेवा ग्रुप, लायंस क्लब, सोजत जैन महिला मंडल, जैन वर्धमान स्थानक महिला मंडल, भारतीय जैन संगठन,बीजेएस मंडल, जैन बहू मंडल आदि एनजीओ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित एडवोकेट स्वर्णमाला पोकरणा ने कहा कि महिला के गुणों को भगवान भी पूजते है। हर परिवार आने वाली पीढ़ी को संस्कार और शिक्षा अवश्य दे ताकि हर नारी अपनी पहचान बना सके।

मंत्री सरिता छाजेड़ ने प्रेरणा सम्मान से सम्मानित काव्यमुनिजी माताजी अनिशा बाबेल,प्रियांशुमुनिजी की नानीजी सोहन बोहरा, खुशमुनिजी की नानी कांताबाई सियाल का परिचय एवं 9 एनजीओ के बारे में जानकारी दी। इन सभी का सम्मान किया गया। पूर्वाध्यक्ष प्रेम भंसाली ने महिलाओं के विकास में गुरुदेव तुलसी एवं साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी के योगदान को याद किया। इस मौके पर तेयुप के अध्यक्ष विकास बांठिया एवं मंत्री योगेश पोरवाल, मंडल परामर्शिका मधु सेठिया, इचुबाई पटावरी, कमलाबाई बाबेल, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम संयोजिका सहमंत्री अनीता जीरावाला, कन्या मंडल से प्रज्ञा जैन,ज्योति पींचा,रानू बरडिया का विशेष सहयोग रहा। संचालन मंडल की उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने किया तथा प्रचार प्रसार मंत्री बबीता दरसाणी ने धन्यवाद दिया।

'नारी में है असीम शक्ति, कर सकती है विश्व का नवनिर्माण'

मातृछाया क्लीनटाइम प्रतियोगिताओं में गूँजी नारी शक्ति की आवाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'मातृछाया' जैन महिला संगठन द्वारा 'क्लीनटाइम-मातृछाया के साथ' कार्यक्रम का आयोजन बीबीयूएल विद्यालय में हुआ। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को अपनी प्रतिभा और विचारों को मंच देने का अवसर प्रदान करते हैं। सचिव व सहसंयोजिका रेशमा बड़ोला ने कार्यक्रम के उद्देश्य और संगठन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मातृछाया की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने संगठन का परिचय देते हुए बताया कि मातृछाया महिलाओं, विशेषकर गृहणियों को प्रोत्साहन देने और उनकी प्रतिभा को सामने लाने के लिए समर्पित मंच है, जहाँ हर महिला को अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलता है।ङ्कङ्कार्यक्रम की संयोजिका एवं संचालिका नीलम ललवानी ने क्लीन टाइम की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह मंच महिलाओं को अपने लिए समय निकालने, अपने मन की बात कहने और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। आरती बुरड़, नेहा चौधरी, कांता समदड़िया, शांतिबाई पांडिया, पिंकी दांतेवाड़िया, ललिता नागोरी, संजु वेदमुथा, नीलम ललवानी, रेशमा बड़ोला आदि ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में क्लीनटाइम स्पीच प्रतियोगिता में कुल 9 फाइनलिस्ट प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने उनके द्वारा देश, समाज व परिवार के विकास में किए जाने वाले कार्यों को लेकर विचार प्रस्तुत किए गए। प्रतियोगिता में नेहा चौधरी एवं आरती बुरड़ ने निर्णायक की भूमिका निभाई। ङ्कङ्कनेहा चौधरी ने मंच पर बोलने की कला के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए बताया कि आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति देने से भाषण और अधिक प्रभावशाली बन सकता है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राजकुमारी चंदावत, द्वितीय पुरस्कार विजया भंसाली, तृतीय पुरस्कार मोनिका कुमट ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। मातृछाया की दो टीमों सहित 40 से अधिक महिलाओं ने नृत्य प्रस्तुतियों में भाग लिया। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया। मातृछाया की 40 सदस्याओं ने व्यवस्थाएं संभाली।

तेयुप ने आयोजित की भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद द्वारा शनिवार को भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें शामिल श्रावक-श्राविकाओं ने भिक्षु दर्शन के सिद्धांतों का गहन अध्ययन किया। उपासिका पुष्पा गन्ना ने भिक्षु दर्शन से उपस्थित जनों का परिचित कराया। मुनि डॉ पुलकित कुमारजी ने भिक्षु दर्शन के सिद्धांतों एवं उसके व्यावहारिक पक्ष पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु के दर्शन जीवन को संयम, अनुशासन और आत्मविकास की दिशा प्रदान करते हैं। मुनिश्री ने उपस्थित जिज्ञासुओं के विभिन्न प्रश्नों का समाधान कर विषय को और अधिक स्पष्ट किया। मुनि आदित्य कुमारजी ने गीत का संगान किया। इस मौके पर अभातेयुप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी, हनुमंतनगर के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा उपस्थित थे। परिषद के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी वक्ताओं, साधु-संतों को धन्यवाद दिया।

कांग्रेस की 'गुलाम' है द्रमुक : पलानीस्वामी

इरोड। अन्नाद्रमुक प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर पलटवार करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अपने सहयोगी दल कांग्रेस की 'गुलाम' है। पलानीस्वामी ने इरोड के पेरुंथुरई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और द्रमुक लगभग 20 दिनों से सीट बंटवारे और संबंधित मामलों को लेकर जुबानी जंग में जुटे हुए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंततः कांग्रेस पार्टी ने अपने सहयोगी द्रमुक को धमकाया और इस साल अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 28 सीटें हासिल कर लीं।

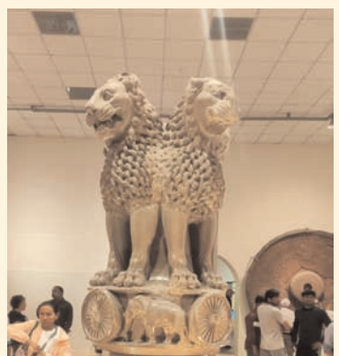

संग्रहालय में रखा अशोक स्तंभ का चार मुख वाला सिंह शीर्ष

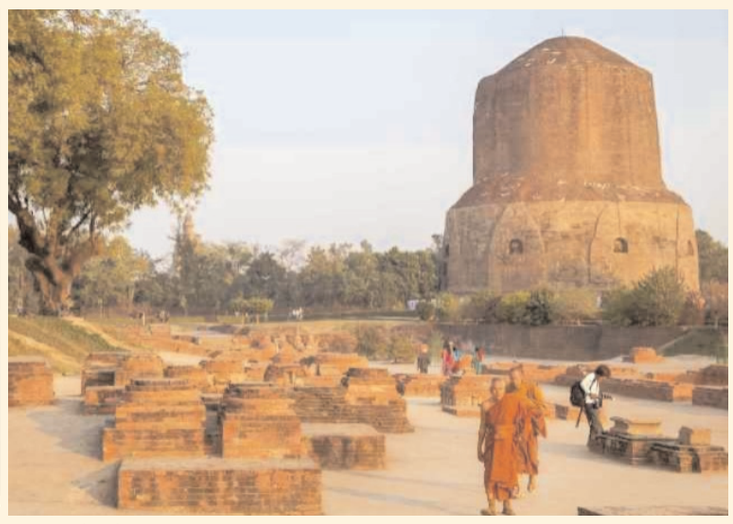

सारनाथ में धमेक स्तूप एवं अन्य स्मारक

सारनाथ : जहां आज भी गौतम बुद्ध के 'पहले प्रवचन' की सुनाई देती है गूंज

सारनाथ संग्रहालय में चार मुख वाला सिंह शीर्ष चिन्ह है आकर्षण का केन्द्र

देवेंद्र शर्मा
dakshinbharat.com

बनारस। उत्तर प्रदेश के बनारस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर उत्तर-पूर्व में स्थित है सारनाथ। सारनाथ दुनिया के सबसे ज़रूरी बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है, क्योंकि यह वह जगह है जहाँ गौतम बुद्ध ने ज्ञान पाने के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, उस स्थल को 'धर्मचक्र प्रवर्तन स्तूप' (धमेक) के नाम से जाना जाता है। सारनाथ बौद्ध कला, वास्तुशिल्प व पाषाणकला के क्षेत्र में बहुत ही मशहूर है, जिसमें धमेक स्तूप और अशोक स्तंभ शामिल हैं।

सारनाथ का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, जो छठी सदी का है। यह प्राचीन भारत में व्यापार और उद्योग का एक बड़ा सेंटर था, जो गंगा नदी के किनारे बसा था और उस समय एक बड़ा परिवहन का रास्ता था। 528 बीसी ईसा में बुद्ध पहली बार सारनाथ आए थे और अपने पांच शिष्यों को अपना पहला उपदेश दिया, जिसे 'डीयर पार्क प्रवचन' के नाम से जाना जाता है। बुद्ध ने चार आर्य सत्य सिखाए, जो बौद्ध धर्म की नींव बने और अष्टांगिक मार्ग जो ज्ञान का मार्ग है। सारनाथ बौद्ध शिक्षा और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया और वहां कई मठ और मंदिर बनाए गए। माना जाता है कि तीसरी शताब्दी बीसी ईसा में मौर्य सम्राट अशोक सारनाथ आए और उन्होंने मशहूर अशोक स्तंभ बनवाया, जिस पर एक ऐसा शिलालेख है जो अहिंसा और धार्मिक सहनशीलता को बढ़ावा देता है। 7वीं शताब्दी बीसीईसा में, सारनाथ पर मुस्लिम आक्रंताओं ने कब्ज़ा कर लिया और सारनाथ को नष्ट कर दिया और पूरे स्थल को तहस नहस कर दिया। पुराने शहर के ये खंडहर बाद में 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश आर्कियोलॉजिस्ट द्वारा पुन: खोजा गया और खुदाई में अनेक मूर्तियाँ, स्तंभों के अवशेष, प्राचीन शिलालेख और पत्थर की उत्कृष्ट कारीगरी मिली। आज सारनाथ बौद्ध धर्म को मानने वालों और दूसरे पर्यटकों व यात्रियों के लिए एक बड़ा पर्यटन स्थल बन गया है।

बुद्ध के पहले प्रवचन का साक्षी है धमेक स्तूप

धमेक स्तूप, जो 5वीं सदी बीसी का है, सारनाथ की सबसे मशहूर जगहों में से एक है, और माना जाता है कि यह वह जगह है जहाँ बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। लगभग 43 मीटर ऊँचा और मजबूत पत्थरों से निर्मित यह धमेक स्तूप बौद्ध धर्म के पवित्रतम स्थलों में गिना जाता है। इसके निचले हिस्से पर बनी हुई बारीक पत्थर की नक्काशी और ज्यामितिय डिज़ाइन प्राचीन भारतीय वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। कहा जाता है कि सम्राट अशोक ने इस स्तूप में गौतम बुद्ध की अस्थियां रखी थीं। सारनाथ की दूसरी खास जगहों में मूलगंध कुटी विहार शामिल है, जो 20वीं सदी में बना एक मॉडर्न बौद्ध मंदिर है, सारनाथ म्यूज़ियम, जिसमें बौद्ध कलाकृतियों और वास्तु कला का एक बड़ा कलेक्शन है और चौखंडी स्तूप बहुत प्रसिद्ध है।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) बेंगलूरु की सहायक निदेशक करिश्मा पंत के नेतृत्व में कर्नाटक से लगभग 10 मीडिया हाउस के प्रतिनिधियों ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत आने वाले सारनाथ संग्रहालय का अवलोकन किया। संग्रहालय में मौजूद गाइड ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि सारनाथ का पुरातात्विक संग्रहालय भारत के सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण संग्रहालयों में से एक है। यहाँ मौर्य, कुषाण और प्राचीन काल की अनेक दुर्लभ ऐतिहासिक धरोहरें सुरक्षित हैं, जो इस क्षेत्र की हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और धार्मिक इतिहास को दर्शाती हैं। संग्रहालय में बौद्ध धर्म से संबंधित अनेकों नमूने देखे जा सकते हैं।

भारत गणराज्य का 'आधिकारिक राष्ट्रीय प्रतीक' स्थापित है सारनाथ में

संग्रहालय की सबसे प्रमुख और अमूल्य धरोहर अशोक स्तंभ का चार मुख वाला सिंह शीर्ष शामिल है, जिसे सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में स्थापित कराया था। यही चार मुख वाला सिंह शीर्ष चिन्ह आज भारत गणराज्य का 'आधिकारिक राष्ट्रीय प्रतीक' भी है। इस 'चौमुखी सिंह मूर्ति' में पाषाण कला, प्राकृतिक चमक और कलात्मक सौंदर्य प्राचीन भारतीय स्थापत्य और मूर्तिकला के उच्च स्तर की झलक दिखाई देती है।

संग्रहालय के विभिन्न 3 गैलरियों में रखी गई बौद्ध प्रतिमाएँ और अवशेष इस बात की गवाही देते हैं कि सारनाथ सदियों तक बौद्ध धर्म के प्रमुख शैक्षणिक और धार्मिक केंद्रों में से एक रहा है। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार सारनाथ का ऐतिहासिक महत्व केवल धार्मिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की प्राचीन सभ्यता, ललित कलाओं और स्थापत्य परंपरा का भी एक जीवंत उदाहरण है। हर भारतीय को बनारस में काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ साथ सारनाथ का भी दौरा अवश्य करना चाहिए।

हर महिला की अपनी पहचान और खूबी होती है : राजेन्द्र दुधेड़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में नवकार बहू मंडल ने महिला दिवस के मौके पर 'परंपरा और प्रगति' विषय पर एक विशेष परिचर्चा का आयोजन किया। जैन भवन में आयोजित कार्यक्रम में विशेष वक्ता राजेंद्र दुधेड़िया ने कहा कि जीवन में जोश ही जिंदगी का निर्माण करता है। हर महिला की अपनी पहचान और खूबी होती है। उस खूबी को बाहर लाना ही अपनी खूबी है। हम सबसे पहले अपने से ही प्यार करना सीखे। उम्र को कभी भी बहाना नही बनाएं।

स्वयं को व्यस्त रखें और ऊंची सोच रखें। नवकार बहु मंडल के मंगलाचरण से प्रारंभ आयोजन में अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा, मंत्री अभय कुमार बांठिया, महिला मंडल की अध्यक्ष आशा बोहरा, मंत्री इंदिरा गादिया, युवक संघ अध्यक्ष लोकेश तातेड़, मंत्री संजय सुराणा सहित दादी, सास, बहन, बहु, पत्नी के रूप में हर उम्र की महिलाएं उपस्थित थी।अभय कुमार बांठिया ने कहा कि महिलाएं घर परिवार की शोभा और गहने के समान अलंकार होती है।

ये त्याग, समर्पण, साहस की प्रतीक होती है जो अवसर मिलने पर इतिहास बना देती हैं। ये संस्कार प्रदाता होती हैं जो एक पीढ़ी को सुसंस्कृत बनाती हैं। इस अवसर पर उपस्थित वक्ता सुनीता दुधेड़िया ने एक प्रतियोगिता आयोजन करते हुए कहा कि जीवन अच्छी बातों से यदि हम खुश होते हैं तो अपने दुर्गुणों पर भी नजर रखनी चाहिए। यदि आपस में सही संवाद हो तो रिश्तों में कभी कटुता नहीं आ सकती हैं।

नवकार बहू मंडल की ओर से अरुणा खिवसरा ने अतिथियों का स्वागत किया। दीपा कोठारी ने परिचय दिया। शीतल बांठिया ने धन्यवाद दिया।

जीतो लेडीज विंग मैसूरु द्वारा 'कार रैली एवं पहचान कार्यक्रम' का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) लेडीज विंग द्वारा समाज में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विषयों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा प्रेरणादायी महिलाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से 'कार रैली एवं पहचान कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। महिला सचिव रजनी डागलिया ने संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया।

उन्होंने बताया कि कार रैली के माध्यम से थैलेसीमिया एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पहचान पहल के माध्यम से समाज की प्रेरणादायी महिलाओं को सम्मानित करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य था। डॉ. मुकेश दलाल, डॉ. पल्लवी प्रभु, डॉ. निखिला एमएस, विधायक हरीश गौड़ा, डीसीपी सुंदर राज तथा सिद्दन्ना गौड़ा पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर कार रैली को रवाना किया। रैली के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में जीतो लेडीज विंग की

चेयरपर्सन मोना भटेवरा, जीतो चैप्टर मैसूरु के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा तथा विशेष अतिथि डॉ. मुकेश दलाल, डॉ. पल्लवी प्रभु और डॉ. निखिला एमएस उपस्थित थे। मोना भटेवरा ने सभी का स्वागत किया। विनोद बाकलीवाल ने समाज सेवा और सामाजिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला।

अतिथियों ने स्वास्थ्य जागरूकता के लिए समय पर जांच तथा रोगों की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया।ङ्कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'पहचान सम्मान' समारोह रहा, जिसमें समाज की प्रेरणादायी महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान की श्रेणी में जयश्री सदलागी, रत्ना, संगीता, हर्षिता पी. जैन और ललिता बांठिया का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर जीतो के पूर्व चेयरपर्सन एवं जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन कांतिलाल चौहान, पूर्व जीतो चेयरमैन प्रवीण दांतेवाड़िया, मंत्री प्रेम पालरेचा, सहकोषाध्यक्ष गौतम बाघमार, मंत्री रमेश नवलखा, हेमंत पितलिया, भंवरलाल लुकड़, सनत कुमार, गौरव जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन गौतम सालेचा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

संस्कारों के साथ आधुनिकता अपनाते हुए मौलिकता को न छोड़ें : मुनि आलोक कुमार

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर केशवापुर में रविवार को गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान के तहत विभिन्न एनजीओ के साथ मुनि डॉ आलोक कुमार जी एवं हिम कुमार जी के सान्निध्य में महिला दिवस मनाया गया। मुनिश्री आलोक कुमार जी ने कहा कि महिलाओं को संस्कारों के साथ आधुनिकता को अपनाना चाहिए, परंतु अपनी मौलिकता और मूल्यों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। मुनिश्री हिम कुमार जी ने कहा कि महिला अनेक रूपों में जानी और पहचानी जाती है। दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी के रूपों से महिला अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकती है।ङ्कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुब्बली-धारवाड़ महानगर निगम की वार्ड पार्षद चंद्रिका वेंकटेश मिरत्री तथा मुख्य वक्ता के रूप में एसडीएम कॉलेज, धारवाड़ की प्रोफेसर डॉ. महिमा दंड उपस्थित थी। मंडल की अध्यक्षा भाग्यवंती बागरेचा ने अतिथियों का स्वागत किया।

राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य संतोष वेदमुथा न ने विषय प्रस्तुति दी। सिवांची महिला मंडल की मंत्री सुमन बाफना, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, गदग सभा के अध्यक्ष सुरेश कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सिवांची महिला मंडल, मरुदेवा सेवा समिति, जीतो लेडीज विंग तथा मृगावती महिला मंडल के प्रतिनिधियों सहित वर्धमान स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, युवक परिषद, तेरापंथ सभा के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंडल की सहमंत्री अंजली कोठारी ने किया। सहमंत्री ममता बागरेचा ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**